तरुण छत्तीसगढ़

सुनालिया ज्वेलर्स
हीरा, स्वर्ण, हॉलमार्क ज्वेलरी, रजत, राशि नग के विक्रेता
मो. 94255-32524,94241-43922
पावर हाउस रोड, कोरबा

e-Paper- tarunchhattisgarhkorba.com कोरबा एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित डाक पंजीयन क्रमांक- जी2-112/सी.जी/बीएलपी/003/2024-2026

वर्ष 35 अंक 193 | कोरबा, रविवार, दिनांक 14 अप्रैल 2024 डाक 15 अप्रैल 2024 | पृष्ठ : 8 मूल्य 2.00 रुपए

विविधा
चुमौकेदिमा जिले में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ

देश-विदेश
मुख्य साजिशकर्ता सतनाम और सुल्तान गिरफ्तार एक लाख का इनामी शूटर को तलाश रही पुलिस

फीचर पेज
बड़ों की सलाह आएगी बड़े काम, नहीं पड़ेगा बाद में पछताना

भाजपा का संकल्प पत्र जारी, बुजुर्गों को मुफ्त इलाज, गरीबों को मिलेगा फ्री राशन

नईदिल्ली, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनावी संकल्प पत्र जारी कर दिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा मुख्यालय में पहुंचे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के संकल्प पत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बहुत ही शुभ दिन है। देश के कई राज्यों में इस समय नववर्ष का उत्साह है। इसके अलावा आज बाबा साहब अंबेडकर की जयंती भी है। ऐसे पावन समय में आज भाजपा ने विकसित भारत के संकल्प पत्र को देश के सामने रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरे देश को भाजपा के

संकल्प पत्र का बहुत इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ, युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब, किसान को सशक्त करेगा। भाजपा में संकल्प पत्र में मोदी की इन गारंटी का विशेष जिक्र है, जिनका उल्लेख पीएम मोदी ने अपने भाषण में किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र पर 4 जून के नतीजे के बाद तुरंत तेजी से काम शुरू हो जाएगा। हमारी सरकार ने पहले से ही 100 दिन के एक्शन प्लान पर काम करना शुरू कर दिया है। देश को 140 करोड़ देशवासियों का अपना एम्बिशन, मोदी का मिशन है। पीएम मोदी ने कहा कि अब आयुष्मान योजना के दायरे में 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को लाया जाएगा। आयुष्मान योजना के दायरे में अब ट्रांसडजेंडर भी आएंगे। संकल्प पत्र में वादा किया गया है कि दिव्यांगों को पीएम आवास योजना में प्राथमिकता दी जाएगी। संकल्प पत्र जारी करते हुए पीएम मोदी ने दो बड़ी बातें भी कही। पीएम ने कहा कि हम देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लागू करने पर कदम बढ़ाएंगे और आगे भी भ्रष्टाचारियों पर सख्त कार्रवाई जारी रखेंगे। पार्टी ने कहा कि उसने पहले 1 करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए सशक्त बनाया। अब वो तीन करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी बनने के लिए सशक्त बनाएंगे। संकल्प पत्र में कहा गया कि महिलाओं के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करते हुए एनीमिया, स्तन कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम और कमी पर केंद्रित मौजूदा स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। सर्वाइकल कैंसर को खत्म करने के लिए एक केंद्रित पहल शुरू की जाएगी।

शिवनाथ ब्रिज पर हादसा, रफ्तार ने छीन ली जिंदगी, लड़की की मौत

दुर्ग, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

शिवनाथ ब्रिज पर बड़ा हादसा, कार में सवार लड़की की मौत हो गई और लड़का गंभीर रूप से घायल है। आज सुबह तकरीबन साढ़े चार बजे के आसपास हादसा हुआ। क्रेटा कार दुर्ग की ओर आ रही थी, जबकि ट्रक राजनांदगांव की ओर जा रहा था। लड़के का नाम प्रशांत पांडेय बताया गया है, लड़की का नाम पूजा बताया गया है। लड़की को गंभीर चोटें आई थी, निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। कार तेज रफ्तार में थी, जिसकी वजह से हादसा- हादसे के बाद सबसे पहले पुलिस की टीम पहुंची था । हादसे के बाद घायल प्रशांत ने खुद ही परिजनों को फोन लगाया।

दर्दनाक हादसे ने छीन ली चार युवकों की जिंदगी जल लेने गए थे, मौत के मुंह में समा गए

बागेश्वर 14 अप्रैल । बालीघाट-धरमघर मोटर मार्ग पर चिड़ंग के पास रविवार सुबह हुए कार हादसे में मारे गए युवक गांव में पूजा के लिए बागेश्वर से सरयू का जल लेने आ रहे थे। बताया जा रहा है कि गांव में नवरात्र के अवसर पर पूजा का आयोजन किया गया था। पूजा के लिए गंगाजल लेने के लिए यह युवक रविवार तड़के बागेश्वर आ रहे थे। चिड़ंग गडेरी के पास कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार सड़क से होते हुए गदेरे में जा गिरी। चारों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त कमल प्रसाद (26) पुत्र लक्ष्मण राम निवासी वडयूड़ा रीमा, नीरज कुमार (25) पुत्र हरीश राम निवासी जुनायाल दोफाड़, दीपक आर्या (22) पुत्र हरीश राम निवासी जुनायल दोफाड़, कैलाश राम (,24) पुत्र देव राम निवासी जुनायल दोफाड़ के रूप में हुई है।

पीएम मोदी ने दी बाबा भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि

नईदिल्ली, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की पुण्यतिथि पर आज उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़े नेता सुबह संसद भवन पहुंचे और डॉक्टर अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि डॉ. बीआर आंबेडकर के संघर्षों ने लाखों लोगों के भीतर उम्मीद जगाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, पूज्य बाबासाहेब भारतीय संविधान के शिल्पकार होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के अमर पुरोधा हैं, जिन्होंने शोषितों और वंचितों के कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, आज उनके महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें मेरा सादर नमन।

अखिलेश यादव के लिए नई चुनौती, मुरादाबाद सीट पर फिर छिड़ा घमासान, सपा सांसद एसटी हसन ने कर दिया बड़ा ऐलान

मुरादाबाद, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव आज मुरादाबाद लोकसभा सीट पर सपा-कांग्रेस गठबंधन प्रत्याशी रुचि वीरा सिंह के लिए चुनाव प्रचार करने आ रहे हैं। मंच पर संभल से पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान खां, जुगल किशोर वाल्मीकि मौजूद रहेंगे लेकिन मौजूदा सांसद एसटी हसन की मौजूदगी को लेकर केवल कयास ही लगाए जा रहे थे। मुरादाबाद सांसद एसटी हसन ने कहा- मैं अखिलेश यादव के सम्मान में वहां पर जाऊंगा लेकिन पार्टी प्रत्याशी

रुचि वीरा सिंह के लिए चुनाव प्रचार नहीं करुंगा। लोग निराश हैं, अगर मैं प्रचार करुंगा तो उन्हें फिर से निराशा होगी। रविवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव जीआइसी मैदान में मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र की प्रत्याशी रुचि वीरा के समर्थन में जनसभा करने के लिए आ रहे हैं। इसके लिए तैयारी पूरी कर ली गई है।

करीब बीस हजार लोगों को जनसभा में बुलाने का लक्ष्य रखा गया है। भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी जिले के पांचों विधायकों को दी गई है। जसनभा के लिए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। राजकीय इंटर कालेज के आसपास मुस्लिम बाहुल क्षेत्र है। यहां जनसभा करने का मकसद मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करना है। जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव शनिवार को पूरे दिन कार्यक्रम की तैयारी में जुटे रहे।

पूर्णिया में बढ़ी JDU की टेंशन, चिराग पासवान के नेताओं ने पप्पू का कर दिया सपोर्ट, सियासी हलचल तेज

पूर्णिया, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

पूर्णिया सीट पर चिराग पासवान के नेताओं ने बागी तेवर दिखाए हैं। कांग्रेस के बागी सह निर्दलीय प्रत्याशी राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के समर्थन में राजद के बाद चिराग की पार्टी के कई नेता भी उतर आए हैं। दल से बगावत कर वे निर्दलीय प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करना शुरु कर चुके हैं। इसी कड़ी में लोजपा-आर के दलित प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सहित सभी प्रखंडों के अध्यक्ष भी पप्पू यादव के समर्थन की घोषणा कर दी है। लोकसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति व जनजाति समुदाय द्वारा आयोजित बैठक में इन नेताओं का पूर्व सांसद पप्पू यादव ने माला पहनाकर स्वागत किया। राजद के अल्पसंख्यक अध्यक्ष सह मुखिया मु. जहीरूद्दीन के बाद लोजपा दलित प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष महेश पासवान, उपाध्यक्ष रंजीत पासवान , पूर्व पार्षद विजय उरांव, बिजेंद्र राम लोजपा जिला महासचिव, गौतम पासवान, जलालगढ़ प्रखंड अध्यक्ष मनोरमा देवी, लोजपा महिला प्रखंड अध्यक्ष, बबिता देवी ने पप्पू यादव के समर्थन की घोषणा की। इसके अलावा, लोजपा जिला महासचिव राम प्रवेश पासवान, लोजपा नगर अध्यक्ष पप्पू पासवान, रुपौली प्रखंड अध्यक्ष गणेश पासवान, भवानीपुर प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार, प्रखंड अध्यक्ष, सुनील पासवान, के नगर प्रखंड अध्यक्ष तपेश पासवान सहित कई अन्य नेताओं ने भी पप्पू यादव को सपोर्ट करने की बात कही। इस दौरान पप्पू यादव ने कहा कि कोई भी नेता गरीबी को खत्म करने की बात नहीं करता है।

कोई जात के नाम पर तो कोई धर्म के नाम पर तो कोई आरक्षण की बात करता है। मकसद केवल वोट लेना है। गरीबों को झांसा देकर वोट लेने वाले ऐसे सौदागरों को पहचानने की जरुरत है। बता दें कि एनडीए से जदयू प्रत्याशी संतोष कुशवाहा पूर्णिया सीट से मैदान में हैं। ऐसे में जदयू की टेंशन बढ़ गई है।

गर्भवती महिला की मौत, हाथियों के झुंड को देख घबरा गई, फिर...

जशपुर, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

हाथियों के झुंड को देखकर दहशत में आई गर्भवती महिला की भागते समय मौत हो गई। महिला नदी में नहाने के बाद वापस घर लौट रही थी। घटना तपकरा वन परिक्षेत्र के सागजोर का है, जहां नदी में नहाने के बाद वापस घर लौटते समय अचानक चार हाथियों के झुंड को देखकर महिला दहशत में आ गई और दौड़ लगाना शुरू कर दिया। गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ भागना महिला को भारी पड़ गया और बीच रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना के लिए वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। इधर वन अमले ने हाथी के मूवमेंट पर नजर बनाए रखने की बात कही है।

अमेरिका इससे दूरे रहे, इजराइल पर ड्रोन अटैक के बाद ईरान ने यूएस को चेताया, कहा- हमारा बदला पूरा हुआ

न्यूयॉर्क। ईरान ने बीती रात इजरायल पर पहली दफा सीधा हमला बोला है। ईरान ने कई ड्रोन हमले किए और कहा कि ये सीरिया में उसके वाणिज्य दूतावास पर हुए हमले का जवाब था। ईरान ने इजराइल पर अपने जवाबी हमले का बचाव करते हुए कहा कि अब इसे खत्म माना जा सकता है। दूसरी ओर ईरान ने इजरायल के सबसे करीबी सहयोगी अमेरिका को भी कड़ी चेतावनी दी और उसे इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष से दूर रहने को कहा। ईरान ने इसी के साथ ही कहा कि अगर इजरायल ने एक और गलती की तो उसका घातक अंजाम होगा। यूएन में ईरान के स्थायी मिशन ने कहा कि अपनी रक्षा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के आधार पर, ईरान की सैन्य कार्रवाई

दमिश्क में हमारे राजनयिक परिसर के खिलाफ जायोनी शासन की आक्रामकता के जवाब में थी। अब मामले को समाप्त माना जा सकता है। इजरायली एयर डिफेंस सिस्टम ने शनिवार को शुरू किए गए ईरानी हमलों को रोक दिया। जमीन पर मौजूद सीएनएन टीम ने यरूशलेम के आसमान में विस्फोटों और सायरन बजते हुए सुना। सीएनएन के एक रिपोर्टर ने कहा, हम अपने ऊपर आसमान में अलग-अलग दिशाओं से आने वाले कई मिसाइलों को देख रहे हैं। यह बताना मुश्किल है कि आने वाली मिसाइल कौन सी है। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने रविवार को कहा कि ईरानी हमलों के बीच हम इजरायल के साथ खड़े हैं और हमने इजरायल को निशाना बनाने वाले कई ईरानी ड्रोनों को मार गिराया है।

चंद्रयान-4 की तैयारी: इसरो बनाएगा लैंडर और जापान देगा रोवर मॉड्यूल, पहले के मिशन पर भी बोले इसरो वैज्ञानिक

हमीरपुर, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां भी इसरो (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन) से प्रभावित हैं। वे भी इसमें रुचि दिखा रही हैं। अब चंद्रयान-4 में जो लैंडर मॉडयूल होगा वह इसरो बनाएगा और जापान की स्पेस एजेंसी जाक्सा रोवर मॉड्यूल बनाएगी। यह बात एनआईटी हमीरपुर में इसरो के वैज्ञानिक समनीत ठाकुर ने एनआईटी हमीरपुर के वार्षिक टेक फेस्ट निंबस कार्यक्रम में कही। इसमें

इसरो के वैज्ञानिक भी आए हैं। फेस्ट में इंजीनियरिंग कौशल का प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दो अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां जब आपस में कार्य करती हैं तो बहुत कुछ सीखने को मिलता है। समनीत ठाकुर जिला बिलासपुर के बरठीं के रहने वाले हैं और बरठीं से ही उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने कहा कि बचपन से ही देश के लिए कुछ अलग करने की इच्छा थी। स्पेस विज्ञान का इस्तेमाल आम आदमी के जीवन में बहुत सहायता करता है। इसरो प्लेनेटरी मिशन में चुनौती और सफलताएं दोनों होती हैं। उन्होंने कहा कि चंद्रयान दो में लैंडर विक्रम से संपर्क टूटने के बाद इसरो में प्लान बनाया कि संपर्क टूटने के क्या कारण थे।

कहां कमी थी और कहां और कार्य किया जाना है। अच्छे से मूल्यांकन के बाद लैंडिंग मॉड्यूल को री-डिजाइन किया गया। इसके बाद इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने वैज्ञानिकों से कहा कि असफलता को सफलता में बदलने के बारे में सोचो। इससे हमें मनोबल मिला। इसी मनोबल से चंद्रयान तीन में लैंडर विक्रम और प्रज्ञान रोवर में सफलता मिली।

चंद्रबाबू नायडू ने सीएम रेड्डी को पत्थर मारे जाने की घटना की आलोचना की, बोले- जिम्मेदारों को मिले सजा

अमरावती, 14 अप्रैल [एजेंसी]।

तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू हमेशा ही आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को घेरते नजर आते हैं। लेकिन इस बार वह सीएम के बचाव में उतरे हैं। उन्होंने रेड्डी पर एक बस यात्रा के दौरान हुए हमले की निंदा की। इसके साथ ही भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) से घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, मैं सीएम पर हुए हमले की कड़ी निंदा करता हूं। मैं चुनाव आयोग से अनुरोध करता हूं कि इस घटना की निष्पक्ष जांच शुरू की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों को सजा दी जाए। सूत्रों के अनुसार, शनिवार शाम को विजयवाड़ा में मेमंथा सिद्धम बस यात्रा के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति ने मुख्यमंत्री पर एक पत्थर फेंक दिया था, जिससे उनकी बाईं भौंहें के ऊपर एक गहरा कट लग गया था। सीएम का तुरंत बस में प्राथमिक उपचार किया गया। इस बीच, सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी नेता और उत्तरी निर्वाचन क्षेत्र से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के उम्मीदवार केके राजू ने मुख्यमंत्री पर हुए हमले के खिलाफ शनिवार को विजयवाड़ा में विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में सत्तारूढ़ पार्टी के सैकड़ों समर्थक शामिल हुए। राजू ने इस दौरान धरना भी दिया और हमले की निंदा करते हुए नारे लगाए। राजू आंध्र प्रदेश के गैर-पारंपरिक ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (एनआरईडीसीएपी) के अध्यक्ष भी हैं। हमले की साजिश रचने का दावा करते हुए वाईएसआरसीपी नेता ने पत्रकारों से कहा, इस हमले के पीछे टीडीपी और उसके सहयोगी दल (भाजपा और जेएसपी) हैं।

छुट्टी में घर आए सेना के जवान की मौत

बिलासपुर। छुट्टी के बाद ड्यूटी के लिए जम्मू वापस ड्यूटी पर जाने के लिए निकले सेना के जवान की बाइक को तेज रफ्तार ट्रेलर ने टक्कर मार दी। जवान की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दूसरा सवार घायल हो गया। गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले के बस्तीबगरा के महेंद्र बाकरे (27 वर्ष) भारतीय सेना में तैनात था। वह छुट्टी पर घर आया था। शनिवार को बिलासपुर से ट्रेन पकड़कर उसे जम्मू ड्यूटी पर जाना था। गांव के ही सुभाष पोर्ते उसे बाइक पर स्टेशन छोड़ने आ रहा था। बेलगहना चौकी के पास दारसागर मोड़ पर बिलासपुर की तरफ से आ रहे बेकाबू ट्रेलर ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। दोनों बाइक सहित ट्रेलर के पहिये में फंसकर घिसटते चले गए।

स्किन केयर व कास्मेटोलाजी क्लिनिक
चर्म , गुप्त, कुष्ठ रोग विशेषज्ञ एवं सैक्स सलाहकार
डॉ.आर.के.अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.FDS (Lond.)F.i.a.m.s.(Ind.) Mob.9424170010
-: परामर्श का समय :- सुबह 10.30 से 1.30 (शाम को बंद)
डॉ.शशि अग्रवाल M.B.B.S.D.V.D.(U.K) Mob.9826389894
सुविधायें:- गंजापन, मस्से हटाना, दाद खाज खुजली, एक्जीमा, एलर्जी, सड़े नाखून, कुष्ठ रोग, काले दाग, मुंहासे, बाल झड़ना, सेक्स की कमी, शीघ्र पतन, धात, मानसिक रोगों का मशीनों व अत्याधुनिक दवाओं द्वारा शीघ्र ईलाज, फोटोथेरेपी, इलेक्ट्रीशिकेशन, क्रायोसर्जरी, सायकोथेरेपी का ईलाज।
मो. 9203907928,9826389894 (क्लीनिक)
विशेष : बुधवार को 20 मरीजों का फीस माफ...
पता : एचआईजी -4 नेहरू नगर , रिकाण्डो रोड घोड़ा चौक , बुधवारी बाजार के पास, कोरबा

निर्वाचन व्यय की सतत मानीटरिंग एवं रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश

व्यय प्रेक्षक मुकेश कुमार ने ली व्यय संबंधित टीम की बैठक

कोरबा । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा कोरबा लोकसभा क्षेत्र के लिए अधिकृत व्यय प्रेक्षक श्री मुकेश कुमार (आई.आर.एस.) ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में व्यय संबंधी बनाये गये विभिन्न समिति के नोडल अधिकारियों एवं सहायक व्यय प्रेक्षकों आदि की बैठक लेकर निर्देशित किया कि निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समस्त गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी जाये। उन्होंने चुनाव को राष्ट्रीय पर्व बताते हुए कहा कि यह एक जिम्मेदारी से जुड़ा कार्य है। व्यय संबंधी टीम के सदस्यों को किसी प्रकार की समस्या आती है तो वे अपने सीनियर अधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त कर समय सीमा के भीतर कार्यवाही सुनिश्चित करें। व्यय प्रेक्षक ने निर्देशित किया कि फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल तथा निर्वाचन व्यय से संबंधित टीमें विभिन्न जांच नाकों सहित अन्य स्थानों पर अलर्ट रहें। निर्वाचन व्यय का सही संधारण हेतु प्रत्याशियों के अलग-अलग फोल्डर तैयार किये जायें साथ ही सभी प्रकार की जानकारी निर्धारित प्रारूप में प्रतिदिन प्रस्तुत करें। उन्होंने टीम के सदस्यों को किसी प्रकार की चूक या लापरवाही नहीं करने के निर्देश दिए। बैठक में व्यय प्रेक्षक श्री कुमार को निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समितियों व्यय निगरानी सेल, लेखा टीम, फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल, मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति, व्यय लेखा, वीडियो अवलोकन दल आदि के विषय में जानकारी दी गई। बैठक में व्यय प्रेक्षक ने व्यय अनुवीक्षण से संबंधित सभी आवश्यक कार्यों का त्रुटि रहित संपादन करने के निर्देश दिए।

सभाकक्ष में बैठक लेते हुए व्यय प्रेक्षक श्री कुमार ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने लोकसभा निर्वाचन में सम्पूर्ण चुनाव प्रक्रिया स्वच्छ एवं पारदर्शी हो इसके लिए सभी को सजग रहने कहा। बैठक में सी-विजिल एप्प के माध्यम से व्यय संबंधी जानकारी अपलोड करने के संबंध में भी प्रशिक्षण दी गई। व्यय प्रेक्षक ने गत विधानसभा निर्वाचन के दौरान व्यय से संबंधित समस्याओं एवं चुनौतियों के संबंध में चर्चा करते हुए कहा कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान व्यय लेखा संबंधी कोई समस्या न रहे इस दिशा में सभी को कार्य करना है। उन्होंने वीडियो अवलोकन, फ्लाईंग स्कायड, स्थैतिक निगरानी दल के सदस्यों से उनके द्वारा की जाने वाली कार्यवाही के संबंध में जानकारी ली। बैठक में अपर कलेक्टर श्री दिनेश कुमार नाग ने बताया कि सभी टीम जिले में सक्रिय है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुश्री सीमा पात्रे ने कोरबा लोकसभा क्षेत्र के संबंध में जानकारी दी। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री विकास चौधरी, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी पी.आर.महादेवा, जिला स्तरीय मास्टर टेञ्नर्स डॉ.एम.एम.जोशी सहित निर्वाचन व्यय से जुड़े नोडल अधिकारी,लेखा अधिकारी, सहायक व्यय प्रेक्षक उपस्थित थे।

हाई स्कूल स्याहीमुड़ी में मतदान जागरूकता हेतु क्वीज प्रतियोगिता हुई आयोजित

विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

कोरबा । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत के निर्देशन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में युवा, महिला, पुरूष सहित स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं द्वारा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़-नाटक, रैली, नारा-लेखन, निबंध, भाषण, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण जैसे अनेक कार्यक्रमों के माध्यम से शत-प्रतिशत मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है।इसी श्रृंखला में जनपद पंचायत कटघोरा के शासकीय हाईस्कूल स्याहीमुड़ी में मतदान आवश्यक और लोकसभा निर्वाचन 2024 पर आधारित सामान्य ज्ञान क्वीज प्रतियोगिता छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। क्वीज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर पीयूष मंझवार व गणेश रहे। द्वितीय स्थान पर गरिमा महंत व लक्ष्मी चौहान रहे और तृतीय स्थान आरती मंझवार व मंदाकिनी ने प्राप्त। प्रतियोगिता के विजेताओं को शिक्षकों के द्वारा प्रशस्ति पत्र दिया गया।शासकीय हाईस्कूल लाद की छात्राओं के द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी रंगोली बनाकर शत प्रतिशत मतदान करने का संदेश दिया गया।

एनएसएस के छात्रों के द्वारा ग्राम पंचायत लाफा एवं ग्राम पंचायत नगोई में दीवारों पर नारा लेखन करके मतदाता जागरूकता का संदेश दिया गया।

किया कंपनी की नई कार लांच

कोरबा। किया कम्पनी की नई सन रूफ सोनेट कार का भव्य लांचिंग कार्यक्रम बुधवार को कोरबा के कृष्णा किया शो रूम में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अग्रवाल सभा कोरबा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि शिव अग्रवाल (उपाध्यक्ष), विशिष्ट अतिथि रमन अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) एवं भारतीय स्टेट बैंक के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक कामथ जी सहित बडी संख्या में लोगों की गरिमामय उपस्थिति थी। सर्वप्रथम भारत माता के तैल्य चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर एवं राष्ट्रगान कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया तत्पश्चात अग्रवाल सभा कोरबा के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का एवं उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण एवं पुष्प गुच्छ से भव्य स्वागत किया गया।कृष्णा किया के सेल्स मैनेजर दिलहरण ने नई सन रूफ सोनेट कार के फीचर के बारे में उपस्थित लोगों को पूर्ण जानकारी दी एवं इसकी विशेषता बताई तथा बताया कि इसकी एक्स शो रूम प्राईज मात्र 8,19,000/- हैं एवं यह कार अन्य कम्पनियों के कार से काफी सस्ती है।तत्पश्चात अपने स्वागत उद्बोधन में कृष्णा ग्रुप के चेयरमेन अशोक मोदी ने अग्रवाल सभा कोरबा के नवनिर्वाचित सदस्यों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की एवं बताया कि कृष्णा ग्रुप आज ऑटो मोबाईल के क्षेत्र में एक जाना पहिचाना नाम है जिसकी शाखाएँ छ.ग में ही नही अपितु उडीसा राज्य में भी है एवं इन राज्यों में कृष्णा ग्रुप के लगभग 40 से अधिक आऊटलेट है। जिस प्रकार राजनीति में मोदी की गारंटी चलती है उसी प्रकार ऑटो मोबाईल के क्षेत्र में कृष्णा मोदी ग्रुप की गारंटी चलती है क्योकि कृष्णा ग्रुप अपनी श्रेष्ठ सर्विस, उच्च क्वालिटी एवं आधुनिक संयंत्रों एवं संसाधनों के माध्यम से कार्य कर अपने ग्राहको को संतुष्ट करते है एवं ग्राहको की संतुष्टि ही कृष्णा ग्रुप का मुख्य उददेश्य है यही कारण है कि ग्राहको को कृष्णा ग्रुप के द्वारा विक्रय की जाने वाली गाडियों में पूर्ण भरोसा है।इसके बाद मुख्य अतिथि राजेन्द्र अग्रवाल, शिव अग्रवाल, रमन अग्रवाल एवं कामथ जी ने भी क्रमशः अपने अपने विचार रखें एवं कृष्णा ग्रुप के कार्यो की प्रशंसा की तत्पश्चात कार का लांचिंग की गई।धन्यवाद ज्ञापन में डायरेक्टर गौरव मोदी ने बताया कि इस वर्ष कृष्णा ग्रुप की स्थापना को 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक बड़ा कार्यक्रम करने की योजना है तत्पश्चात उन्होने उपस्थित समस्त लोगों को धन्यवाद दिया।उपरोक्त समस्त कार्यक्रम का संचालन प्रिंस अरोरा के द्वारा किया।

शिव मंदिर नौकोनिया सरोवर तट पर जलाए 5100 दीप

पाली। कला व संगीत की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती की नगर इकाई ने नववर्ष के स्वागत पर शिव मंदिर नौकोनिया सरोवर तट पर सूर्योदय होने पर सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया। इसके बाद शाम को मंदिर और सरोवर तट पर 5100 दीप प्रज्ज्वलित कर हनुमान चालीसा का पाठ किया। दीप प्रज्ज्वलित करने से प्राचीन शिव मंदिर और तालाब का परिसर जगमग हो उठा। आरती के बाद प्रसाद बांटा गया। इस मौके पर कला साधकों ने ध्वज का वितरण कर घर-घर रंगोली बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया।

चेम्बर ऑफ कॉमर्स ने चलाया जागरूकता अभियान

कोरबा। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंड्रस्ट्रीज रायपुर से पधारे अजय भसीन व टीम के द्वारा एसएसप्लाजा व्यापारियों के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए आम जनता एवम ब्यापारी बंधुओ को वोटिंग के दिशा में जागरूकता अभियान चलाया गया एवम शत प्रतिशत वोटिंग के लिए शपथ लिया गया।इस अभियान में शामिल ब्यापारी बंधुओ ने अपनी उपस्थिति दी।आप सभी को बहुत बहुत धन्यवाद आभार।अजय भसीन ,दिलीप ,सुनील मिश्रा श्रीमति सुषमा जेठानी रायपुर रामसेवक अग्रवाल ,जगदीश सोनी,परसराम रमानी जी,रवि लालवानी ,कवर लाल मनवानी , ष्टद्द चेम्बर कोरबा इकाईचेतन चौधरी ,रूपेश अग्रवाल संजय रमानी बब्बू केशरवानी दीपक मोटवानीरोहित असरानी, राकेश पाहुजा, दिंनु राठौर,मनोज पंजवानी, नीलेश साहेब कलेक्शन,अभिनव सोनी,योगेश गुप्ता, सागर सचदेवा,अनिल असरानी एवम समस्त ब्यापारी बंधुओ ने इस अभियान से जुड़कर आमजनो में मतदान जागरूकता अभियान का एक अच्छा संदेश दिया गया।।

महान मानवतावादी थे डॉ अम्बेडकर:जयसिंह

कोरबा। पूर्व केबिनेट मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर बाबा साहेब की 134 वीं जयंती के अवसर पर कोरबा वासियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी हैउन्होनें अपनी शुभकामना संदेश में कहा कि डॉ. अम्बेडकर एक महामानव, सच्चे देश भक्त और महान मानवतावादी थे। बाबा साहब ने सामाजिक समानता, मौलिक अधिकार, मानवीय न्याय,

समाजवाद तथा देश की एकता के लिए संघर्ष के पथ में अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे महान मसीहा को उनकी जयंती के अवसर पर शत्शत् नमन।

वन विभाग की जमीन पर बनाया डबरी

कोरबा-पाली। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही से एक पंचायत द्वारा वन विभाग की जमीन पर मनरेगा के तहत लाखों के डबरी का निर्माण करा दिया। जिस निर्माण कार्य के लिए साल के दर्जनों पेड़ काट दिए गए। वन अमला को जानकारी होने पर काटे गए पेड़ो को जब्त तो कर लिया लेकिन कार्रवाई के बजाय मामले में लीपापोती करने में जुटे हैं।

पाली जनपद पंचायत के केराझरिया ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत स्वीकृत लाखो के डबरी का वन विभाग की जमीन पर निर्माण कराए जाने का मामला सामने आया है।स्थानीय सूत्र ने बताया कि संबंधित विभाग के अधिकारी- कर्मचारियों के अपने कार्यों के प्रति निष्क्रियता के चलते मनरेगा के डबरी निर्माण कार्य मे दर्जनों साल के पेड़ों को बेदर्दी से काट दिया गया।

वन परिक्षेत्र के पाली सर्किल अंतर्गत मुनगाडीह बीट में ग्राम केराझरिया मुख्य बस्ती के अंतिम छोर में मुक्तिधाम के पास साल के घने जंगल मे उक्त निर्माण को अंजाम दिया गया। नियमतः वन विभाग की जमीन पर ग्राम पंचायत द्वारा बिना अनुमति किसी भी तरह का निर्माण कार्य नही कराया जा सकता। लेकिन पंचायत ने ग्राम में गठित वन समिति के सदस्यों से सांठगांठ कर वन भूमि के दर्जनों पेड़ काट डबरी का निर्माण कराया। इस बाबत जब विभाग को जानकारी हुई तब अधिकारी- कर्मचारी मौके पर पहुँचे और धराशायी पेड़ो को जब्ती बनाया। किन्तु अब विभाग मामले में कार्रवाई करने के बजाय लीपापोती करने में जुटा हुआ है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कर्तव्य की सिर्फ खानापूर्ति कर रहे हैं इसलिए वन संपदा को नुकसान पहुँचाने वाले बैखौफ होकर कार्य कर रहे है।ग्रामीणों का कहना हैं कि आसपास जंगलों में साल वृक्षों की जमकर कटाई की जा रही है। जिसकी मौखिक शिकायत के बाद भी अधिकारी- कर्मचारी मौके पर नही पहुँचते और न ही लकड़ी माफियाओं के विरुद्ध किसी प्रकार की कार्रवाई अमल में लायी जाती है

सिंघाली में प्रशिक्षण ने रहे कामगारों का चाय नाश्ता बंद किया प्रबंधन

कोरबा। एसईसीएल कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत सिंघाली खदान के प्रबंधन द्वारा श्रमिकों को वर्षों से मिल रहे सुविधाओं को छीनने का कोशिश किया जा रहा है इस कड़ी मे सिंघाली मे स्थित वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में प्रबंधन ने एक अप्रैल से प्रक्षिक्षण ले रहे कामगारों को नाश्ता व खाना देना बंद कर दिया है इस संबंध मे एटक के प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष दीपेश मिश्रा ने बयान जारी कर कहा है कि सिंघाली प्रबंधन ने जो हरकत किया है वो पूरी तरह से गैरकानूनी ही नहीं बल्कि मजदूर विरोधी है उन्होंने आगे कहा कि एटक संगठन पूरी ताकत के साथ इस मसले पर प्रबंधन का मुखालफत करेगा। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न खदानों से जो श्रमिक सिंघाली मे स्थित वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर मे वी.टी.सी या रिफ्रेशर कोर्स का प्रक्षिक्षण ले रहे है उन सभी कामगारों को नाश्ता व खाना एकाएक बंद कर देना कतई ठीक नहीं है दीपेश मिश्रा ने आगे कहा कि कामगार खदान मे सुरक्षित तरिके से कैसे कार्य कर सके इसके लिए सिंघाली वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में श्रमिकों को प्रशिक्षित किया जाता है जोकि कोल माइन रेगुलेशन के तहत जरूरी भी है उन्होंने आगे बताया कि खदानों मे कामगारों को उनके जाब के अनुसार ही वी.टी.सी या रिफ्रेशर प्रक्षिक्षण देना ये नियमों के मुताबिक है जोकि कोल माइन्स रेगुलेशन मे उल्लेखित है इसमें यह भी प्रावधान है की जो भी श्रमिक वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर में ट्रेनिंग लेगा उन्हें दो टाइम का खाना व नाश्ता मुफ्त मे प्रबंधन मुहैया कराएगी ये सब कोल माइंस रेगुलेशन के प्रावधानों के तहत ही है परंतु यह बहुत ही गंभीर बात है कि सिंघाली वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर के प्रभारी ने एक अप्रैल से ट्रेनिंग ले रहे श्रमिकों को भोजन एवं नाश्ता नहीं दे रहे है ये सब ठीक नहीं है उन्होंने अंत मे कोरबा क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले सिंघाली परियोजना के खान प्रबंधक एवं ढ़ेलवाडिह उपक्षेत्र के सब एरिया मैनेजर को चेताया की सिंघाली वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर मे जो एकतरफा कार्यवाही कर ट्रेनिंग करनेवाले कामगारों का भोजन व नाश्ता जो बंद है उसे तत्काल चालू किया जाए अन्यथा एटक इस मसले को लेकर सीधी कार्यवाही करने के लिए बाध्य होगा।

आसुरी शक्तियों का विनाश करने धरती पर अवतरित हुई देवी:देवशरण

कोरबा। सर्वधर्मार्थ कल्याण सेवा समिति के संस्थापक श्रीराम कथा, श्री शिव महापुराण कथा, श्रीमद भागवत एवं श्रीमद देवी भागवत के मर्मज्ञ पंडित देवशरण दुबे जी की श्रीमद् देवी भागवत महापुराण नवान्ह यज्ञ कथा नवरात्रि के पावन पर्व पर जमनीपाली में दिनांक 9 अप्रैल मंगलवार को भव्य कलश यात्रा के साथ प्रारम्भ हुई, जिसमे व्यासपीठ से पंडित देवशरण दुबे अपनी संगीतमयी सुमधुर वाणी से श्रोताओं को कथा का रसपान करा कर जीवन में श्रीमद् देवी भागवत महापुराण नवान्ह यज्ञ कथा के माध्यम से आनंद एवं परमानन्द की प्राप्ति का उपाय बता रहे हैं । कथा के षष्ठम दिवस में पंडित देवशरण दुबे जी ने श्रीमद् देवी भागवत महापुराण नवान्ह यज्ञ कथा में शुंभ-निशुंभ दैत्यों का प्राकट्य और वध, देवताओं द्वारा मां दुर्गा की स्तुति और अठारह भुजाधारी मां दुर्गा का अवतार आदि प्रसंग विस्तार से सुनाया। प्रसंग में उन्होंने बताया की शुंभ-निशुंभ नामक पराक्रमी दैत्यों से तीनों लोकों में भय व्याप्त था। इनके आतंक से दुखी होकर देवता जगत माता गौरी के पास जाकर विनती करने लगे। तब गौरी के शरीर से एक कुमारी प्रकट हुई जो शरीर कोष से निकली होने के कारण कौशिकी के नाम से प्रसिद्ध हुई। उन देवी ने अपनी अठारह भुजाओं का विस्तार किया और सिंह पर सवार हुई। एक जोर की गर्जना करते हुए सिंह उन दैत्यों के पिछे दौड़ा और कई दिनों के भंयकर युद्ध के बाद मां दुर्गा ने उन दौनों दैत्यों का संहार किया। 9 अप्रैल 2024 मंगलवार से जमनीपाली में प्रतिदिन सायं 4 बजे से सायं 7 बजे तक चलने वाली श्रीमद् देवी भागवत महापुराण नवान्ह यज्ञ कथा को दिनाँक 18 अप्रैल 2024 गुरुवार को सहस्त्रधारा गीता हवन एवं भोग भंडारे के साथ विश्राम दिया जाएगा । सर्वधर्मार्थ कल्याण सेवा समिति के कोरबा जिला शाखा प्रभारी डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा ने अंचलवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है। आयोजन को सफल बनाने में मुख्य यजमान तीज राम साहू, श्रीमती रामकृष्णी साहू आचार्य पंडित योगेश पांडेय, पंडित रामू तिवारी, पंडित अंकित पांडे, कैमरा लाइव प्रसारण सुमित बराई, संगीतकार ऑर्गन में उमेश पैखरा ढोलक में खिंटी यादव पैड जानू महंत के अलावा सर्वधर्मार्थ कल्याण सेवा समिति के कोरबा जिला शाखा प्रभारी डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा, श्रीमती प्रतिभा शर्मा, डॉ.रोहित पटेल, श्रीमती रेवती पटेल, नेत्रनन्दन साहू, कमल धारीया, अश्विनी बुनकर, चक्रपाणि पांडेय, हर्ष नारायण शर्मा एवं अंचलवासी विशेष रूप से उपस्थित होकर अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं ।

व्यक्ति के अधिकारों को सुरक्षित रखने के लिये बनाया जाता है कानून - जिला न्यायाधीश साहू

कोरबा। बालको नगर कोरबा में महिलाओं एवं वरिष्ठ नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देने के प्रयोजनार्थ विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री सत्येन्द्र कुमार साहू, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा ने अपने उद्बोधन में कहा गया कि बालकों एवं बालिकाओं का विवाह सही उम्र में करें, नाबालिक को गाड़ी चलाने न दें, अज्ञानता वश हमारे द्वारा बच्चों को दुपहिया वाहन चलाने के लिये दे दिया जाता है, दुर्भाग्यवश दुर्घटना होने पर पीड़ित पक्षकार को घायल एवं मृत्युकारित होने पर बहुत ही अधिक मुआवजा देना पड़ जाता है। इसका हमें ध्यान रखना चाहिये। वाहन चलाते समय ड्राइविंग लायसेंस, वाहन का बीमा एवं गाड़ी का रजिस्ट्रेशन होना आवयश्यक है। विधानसभा, संसद में व्यक्ति के अधिकारों को सुरक्षित कैसा रखा जावें इस संबंध में सोच विचार कर कानून बनाया जाता है। कानून व्यवस्था को बनाये रखना बहुत ही मुश्किल का कार्य है, इसके लिये हमें कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिये कानून का पालन करना आवश्यक है। कानून व्यवस्था नहीं होने से आम नागरिकों के अधिकार सुरक्षित नहीं रह पायेगें। कानून हर जगह लागू होता है, बच्चे के पैदा होने से उनके लिये जन्म प्रमाण पत्र तथा किसी व्यक्ति के मृत्यु होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाता है, कानून व्यक्ति को जन्म से मृत्यु उपरांत तक लागू होता है। हम अगर अपने कर्तव्य का पालन करेंगे तो किसी के अधिकारों का हनन नहीं होगा।

श्रीमती गरिमा शर्मा, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोरबा के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि नालसा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, सालसा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं डालसा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समाज के कमजोर वर्ग के व्यक्तियों को कानूनी मदद दिलाने में सहयोग करता है। नालसा के द्वारा वर्ष में 04 बार नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाता है, नेशनल लोक अदालत से न्यायालय के बहुत से छोटे-मोटे,राजीनामा योग्य मामले का निराकरण सुलह समझौते के माध्यम से किया जाता है। महिलाओं को उद्बोधित करते हुये कहा गया कि परिवार में छोटे- मोटे क्लेश तो होते रहते है, इन्हें अनदेखा करना चाहिये, जिससे परिवार की शांति बनी रहें। जब महिलाएं को ज्यादा शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाए तभी उनको शिकायत करना चाहिये। पुलिस में एफ.आई.आर. लिखाते समय एफ.आई.आर. की निःशुल्क कापी प्राप्त करना आपका अधिकार है। उक्त अवसर पर पैरालीगल वॉलीण्टिसर्य की श्री पी.एल.सोनी, श्रीमती उमा नेताम, श्री अमित स्वर्णकार, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रीमती मधु पाण्डेय एवं वरिष्ठ कल्याण समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य एवं श्री के.एन. सेठ, एस.के. सौंधिया, जे.पी. यादव, दुष्यंत शर्मा, श्रीमती आरती सोनी, बालको सी.एस.आर. से संजीव शुक्ला, हर्षिता सोनी उपस्थित थे।

केंद्रीय विद्यालय में मनाया प्रेरणा उत्सव

कोरबा । केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 एनटीपीसी कोरबा में प्रेरणा उत्सव का आयोजन शुक्रवार को किया गया। विद्यालय स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भारत सरकार के इस महत्वाकांक्षी प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए उनकी विभिन्न योग्यताओं को उभारने का प्रयास किया गया। प्रेरणा उत्सव के अंतर्गत निबंध, कहानी लेखन, कविता, गीत, ड्राइंग आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विषयों के साथ सामग्री की प्रासंगिकता, रचनात्मक अभिव्यक्ति आदि के अनुसार निर्णायकों द्वारा निर्णय किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में बच्चों की समझने की क्षमता का आंकलन भी किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के संयोजक आरके देवांगन ने प्रेरणा कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला।

आत्मानंद स्कूल के विद्यार्थियों ने शुरू किया प्याऊ घर

सक्ति। लीनेस क्लब शक्ति के द्वारा संचालित प्याऊ में ऑल इंडिया स्काउट एंड गाइड के तत्वाधान के तत्वाधान में स्वामी आत्मानंद स्कूल कसेर पारा के छात्र-छात्राओं के द्वारा शरवत का वितरण शनि मंदिर के सामने किया गया। आम नागरिकों एवं महिला पुरुष बच्चों ने शरवत पिए पास में ही खरसिया बस स्टैंड के यात्रियों ने भी शरवत पिया। इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्य पी गबेल भारती देवांगन प्रमोद देवांगन निखत करीम एवं लीनेस क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

शोभायात्रा के लिए बैठक आज

जांजगीर। रामनवमी के अवसर पर जिला मुख्यालय में शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके लिए गठित समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों की आवश्यक बैठक रविवार 14 अप्रैल की शाम 5 बजे से भीमा तालाब के पास स्थापित शनि मंदिर के सामने आयोजित की गई है। कचहरी चौक से नेताजी चौक होते हुए रेलवे स्टेशन श्रीराम मंदिर तक सड़क के दोनों किनारे स्थित मकान और दुकानों में श्रीराम जी का ध्वज वितरण किया जाएगा।

ट्रांसपोर्टर के मकान से लाखों का सोना और सामान पार

सक्ति। बीती रात्रि शक्ति शहर के बाराद्वार रोड में स्थित राइस मिल व्यवसायी एवं प्रतिष्ठित ट्रांसपोर्ट व्यवसायी प्रकाश चंद गोयल के निवास पर अज्ञात चोरों ने धावा बोलकर लगभग डेढ़ सौ तोले सोने एवं लगभग 10 लाख रुपए लगदी की चोरी कर ली है,ऐसी जानकारी सूत्रों से मिली है, तथा पूरे मामले की सूचना शक्ति पुलिस को दे दी गई है एवं पीड़ित परिवार के अनुसार रात को लगभग 2.45 बजे उन्हें घर में उपरोक्त चोरी की घटना की भनक लगी तो वे जब उठकर बाहर आए तो चोर भाग रहे थे तथा उन्होंने तत्काल शक्ति पुलिस को इसकी सूचना देना चाही तथा वे थाने भी पहुंचे किंतु पुलिस की अनुपलब्धता के चलते वे वापस लौट आए, तथा बाद में सुबह करीब 6.00 बजे शक्ति थाना टीआई विवेक शर्मा सदलबल मौके पर पहुंचे, उन्होंने तत्काल पुलिस को अलर्ट किया एवं मौके पर जिला पुलिस के भी बड़े पुलिस अधिकारी पहुंच गए हैं, किंतु

प्रकाश गोयल के निवास पर हुई इस चोरी से पूरा परिवार सदमे में है एवं बीती रात्रि प्रकाश गोयल का परिवार एवं उनके पुत्र पवन गोयल रात को खाना खाकर सो गए थे तथा नीचे वाले हिस्से में दुकान के ठीक पीछे तीसरे नंबर के कमरे पर जहां पूरे गहने जेवरात लगभग पांच अलमारी में रखे हुए थे जिसे चोरों ने मकान के पीछे से अंदर घुसकर पूरी अलमारी को साफ कर दिया एवं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार लगभग डेढ़ सौ तोला सोना- चांदी एवं लगभग 10 लख रुपए नकदी थे,किंतु पूरे मामले की रिपोर्ट अभी तक शक्ति पुलिस में नहीं लिखी है, पुलिस बड़े अधिकारियों के निर्देश का इंतजार कर रही है किंतु शक्ति शहर में अब तक की सबसे बड़ी चोरी बताई जा रही है एवं विगत दो दिन पूर्व ही शक्ति शहर के बंधवा तालाब के सामने भी दो दुकानों में अज्ञात चोरों ने एक दुकान में चोरी की तथा एक दुकान में ताला तोड़ने का प्रयास किया था तथा शक्ति शहर में निरंतर हो रही इस चोरी की घटना से आम नागरिक दशहत में हैं प्रकाश गोयल के निवास पर लोगों की भीड़ जुटी हुई है,जिला पुलिस प्रशासन भी वहां पहुंच गया है किंतु अब आगे पुलिस चोरी के इस बड़े मामले पर क्या कार्रवाई करती है यह तो आने वाला समय ही बताएगा किंतु जिला मुख्यालय शक्ति में हुई चोरी की इस बड़ी घटना से पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल निशान लग गया है, शक्ति जिला पुलिस अधीक्षक आईपीएस अंकिता शर्मा जिस तरह से अपनी पद स्थापना के बाद से निरंतर जनता और पुलिस के बीच में एक बेहतर संबंध बनाते हुए जनता की सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करती थी किंतु ऐसा लगता है की चोरी की इन घटनाओं से कहीं न कहीं पुलिस को बड़ा सबक लेने की आवश्यकता है

14 वर्षों से फरार स्थाई वारंटी को पकड़ने में पुलिस को मिली सफलता

जांजगीर। विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन पर जिले के फरार स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु जिला पुलिस जांजगीर द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

अति. पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार जायसवाल के मार्गदर्शन में थाना जांजगीर पुलिस द्वारा लंबे समय से फरार स्थाई वारंटी को पकड़ने के लिए थाना स्तर पर टीम गठित किया गया स्थाई वारंटी आरोपी का जांजगीर पुलिस द्वारा लगातार पतासाजी की जा रही थी।

न्यायालय जांजगीर का प्रकरण क्रमांक 1156/07 में स्थाई वारंटी भुवन केंवट पिता शांति लाल केंवट निवासी ग्राम पिसौद थाना जांजगीर पेशी से गैरहाजिर चल रहा था। जिस कारण न्यायालय द्वारा इसका स्थाई वारंट जारी किया गया। पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर जांजगीर पुलिस ने आरोपी को उसके संकुना से विधिवत गिरफ्तार कर वारंट तामील कर दिनांक 12.04.2024 को न्यायालय में पेश किया।

शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शिवरीनारायण। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थिया दिनांक 13.04.24 को थाना शिवरीनारायण में रिपोर्ट दर्ज कराई कि आरोपी रवि साहू निवासी भैसो थाना पामगढ द्वारा शादी करने का झांसा देकर जबरदस्ती दैहिक शोषण किया है कि रिपोर्ट पर आरोपी के विरूद्ध थाना शिवरीनारायण में अपराध क्रमांक 187/ 24 धारा 376 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना कार्यवाही में लिया गया है। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए विवेक शुक्ला पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा के निर्देशन में आरोपी को उसके संकुनत से तत्काल पकड़ा गया जिसको हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पुछताछ किया गया जो जुर्म करना स्वीकार किया गया, जिसे विधिवत गिरफ्तार कर दिनांक 13.04.2024 न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया है। उपरोक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक सागर पाटक सउनि प्रमोद महार, नीलमणी कुसुम, प्रआर विजय निराला, आरक्षक महेंद्र राज मआर. मोनिका जोगी का सराहनीय योगदान रहा।

महंत रामसुंदर दास बोले, राजा परिक्षित के जीवन से ली जाए शिक्षा

चांपा। महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास महाराज अपने एक दिवसीय जांजगीर -चांपा जिला प्रवास के दौरान बिरों के समीप स्थित ग्राम देवरहा में पटेल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में सम्मिलित हुए। आचार्य जी ने उनका अभिवादन कर आशीर्वाद प्राप्त किया?। इस अवसर पर श्रोताओं को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए राजेश्री महन्त महाराज ने कहा कि- बहुत ही सुखद अवसर है बासंती नवरात्र के पावन अवसर पर हम सभी को श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा का रसपान करने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमें महाराज परीक्षित के जीवन से शिक्षा लेनी चाहिए। उन्होंने अपने जीवन के शेष बचे हुए प्रत्येक क्षण का उपयोग हरि नाम संकीर्तन में किया और अपने लिए तथा अपने पूर्वजों के लिए मुक्ति का मार्ग प्रशस्त कर लिया। जीवन क्षणभंगुर है, इसलिए निरंतर भगवत् भक्ति के मार्ग पर चलना चाहिए। मनुष्य के तन धारण करने का यही सबसे उत्तम फल है कि हम जीते जी अपने लिए मुक्ति का मार्ग बना सकें, इसके लिए गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज ने श्री रामचरितमानस में लिखा है कि- एहिं कलिकाल न साधन दूजा। जोग जग्य जप तप ब्रत पूजा ।। रामहि

सुमरिअ गाइअ रामहिं। संतत सुनिअ राम गुनग्रामहिं।। यदि हम अपने जीवन में योग यज्ञ जप तप ब्रत पूजा कुछ भी ना कर सकें तो भी कोई बात नहीं, केवल राम के नाम का सुमिरन और भगवान की कथा को निरंतर सुनते रहें तो भी बेड़ा पार हो जाएगा। व्यास पीठ पर विराजित गीता प्रसाद तिवारी जी ने कहा कि- संत के दर्शन का सबसे बड़ा लाभ यही है कि मनुष्य के जीवन में दुखों का अंत हो जाता है। इस अवसर पर राजेश्री महन्त जी महाराज के साथ वीरेंद्र तिवारी, राजेश सिंह, रामखिलावन तिवारी, भीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव विशेष रूप से उपस्थित थे।

ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल में करियर कॉउन्सिलिंग कार्यक्रम आयोजित

जांजगीर। ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल बनारी जांजगीर में संस्था के संचालक आलोक अग्रवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह के निर्देशन में दिनांक 13 अप्रैल 2024 को संस्था के विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया, साथ ही अभिभावकों के लिए भी काउंसलिंग की व्यवस्था की गई थी। यह करियर काँउंसलिंग डॉ. सी. जे. होरा (साइकोलोजिस्ट, करियर कॉउंसलर - बिलासपुर) द्वारा सम्पादित किया गया। इस काउंसलिंग कार्यक्रम में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में संस्था की प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह द्वारा डॉ. सी. जे. होरा सर का पुष्प गुच्छ के साथ स्वागत किया गया। तत्पश्चात काउंसलिंग कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। डॉ. सी. जे. होरा द्वारा बताया गया कि करियर क्या है? कौन सा करियर फिल्ड चुन? सही फिल्ड कौन सी है? कौन सा नहीं है? किसी भी फिल्ड मे जाने के लिए कौन सा रास्ता चुने इत्यादि बातों के माध्यम विद्यार्थियों को करियर के लिए जागरूक किया गया। डॉ. सी. जे. होरा सर द्वारा विभिन्न कहानियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न ज्ञानवर्धक बातें बताई गई।

बीच-बीच में प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विद्यार्थियों को सक्रिय रखा गया। प्रश्नों का उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को ज्ञानवर्धक पुस्तिका उपहार के रूप में दिया गया।

तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से अभिभावकों की काउंसलिंग प्रारंभ की गई। अभिभावकों के मन में उठने वाले विभिन्न प्रकार के प्रश्नों के उत्तर डॉ. सी. जे. होरा द्वारा दिया गया। अभिभावकों से संपर्क बनाते हुए उन्हें बताया कि अभिभावकों के भी कई प्रकार होते हैं। मायने यह रखता है कि हम अपने बालक का भरण पोषण देखभाल कैसे करते हैं? एक अभिभावक होने के नाते हमें अपनी जिम्मेदारियों को समझना चाहिए, और उसका निर्वहन करना चाहिए। हमें अपने बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करते रहना चाहिए और एक नवीन ऊंचाई को प्राप्त करने के लिए उसकी मदद करनी चाहिए। हम अपने बच्चों के साथ जितना ज्यादा समय बिताएंगे उनकी परेशानियों को जान पाएंगे तथा उनकी समस्या का समाधान कर पाएंगे। हमें अपने बच्चों का खयाल सामान्य तरीके से न करके विशेष तरीके से करनी चाहिए ताकि बच्चे का विकास सही तरीके से हो सके। हमें अपने बच्चों से भावनात्मक रूप से जुड़ना चाहिए। अभिभावकों के साथ प्रश्नोत्तरी के माध्यम से डॉ. सी. जे. होरा सक्रियता बनाये हुए थे। इस काउंसलिंग कार्यक्रम से संस्था के विद्यार्थियों और अभिभावकों में उत्साह नजर आया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रकट संस्था की शिक्षिका श्रीमती मनदीप कौर द्वारा किया गया। संचालन श्रीमती नीलम सिंह द्वारा किया गया।

सरपंच सहित पांच लोग जुआ खेलते पकड़ाए

जांजगीर- चांपा। सरपंच, कोटवार, सेल्समेन सहित पांच जुआरी दांव लगाते पकड़े गए। पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। मालखरौदा पुलिस ने जुआरियों के पास से पुलिस ने 9 हजार 800 नकदी और चार बाइक जब्त किया है। मालखरौदा थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी को शुक्रवार की रात करीब 9 बजे मुखबिर से सूचनामिली कि ग्राम मुक्ता के धान मंडी के पास जुए का फड़ लगा हुआ है और कुछ लोग दांव लगा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम रवाना किया गया।

पुलिस ने घेराबंदी कर धान मंडी मुक्ता के पास जुआ खेल रहे सरपंच, कोटवार, सेल्समेन सहित पांच जुआरी को पकड़ लिया। जुए के फड़ से पुलिस ने 9 हजार 800 रूपये नकद और चार बाइक जब्त किया। होंडा शाइन क्रमांक सीजी 11 AD 7155, इलेक्ट्रिक स्कूटर क्रमांक C G 11 BE 5666,एक सुपर स्प्लेंडर क्रमांक C G 11 AS 8673,बजाज पल्सर क्रमांक C G 11 AZ 3141कुल कीमती

1,44,800/- को जप्त कर आरोपियों के विरुद्ध में धारा 3(2) जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई।

ये पकड़े गए दांव लगाते

पुलिस ने जुआ फड़ से मुक्ता निवासी महेश राम गोंड पिता पुनी राम (सरपंच), अजय यादव पिता नवधा यादव , अशोक यादव पिता संतराम यादव (सेल्स मेन) पन्नालाल मानिकपुरी पिता यादराम (कोटवार), राजकुमार कर्ष पिता रामचरण को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

चांपा। चैत्र नवरात्र पर्व पर देवी मंदिरों में कई अनुष्ठान किये जा रहे हैं।

जीत के लिए सबसे पहले बूथ को मजबूत करना जरूरी

बाराद्वार। नगर के मां काली मंदिर के सामने मैदान में 13 अप्रैल को भारतीय जनता पार्टी का सकी विधानसभा के कार्यकर्ताओं का सम्मेलन हुआ। वक्ताओं ने भाजपा के कार्यकर्ताओं को केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार पुन: बनाने के लिए बूथ स्तर पर मेहनत करने को कहा।

कार्यकर्ता सम्मेलन में सतनामी समाज के धर्मगुरु और आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब, धरसींवा विधायक अनुज शर्मा, लोकसभा प्रभारी गौरीशंकर अग्रवाल, भाजपा संभाग प्रभारी अनुराग सिंह देव, कमलेश जांगड़े, लोकसभा चुनाव के सहसंयोजक डॉ. खिलावन साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्णकांत चन्द्रा थे। आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि राज्य की पिछली कांग्रेस की सरकार ने शराब, चावल, गोबर सहित अन्य घोटाले किए हैं। मोदी सरकार की गारंटी को छत्तीसगढ़ की साय सरकार लगातार पूरी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा से सतनामी समाज के साथ अन्याय किया है।

गिरौदपुरीधाम भी भाजपा ने बनवाया था, राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार ने वहां एक भी विकास काम नहीं कराया है। धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि भाजपा का मतलब है भारत की जनता की देसी पार्टी और कांग्रेस पार्टी का मतलब इंडियन नेशनल कांग्रेस। उसका नाम ही विदेशी है। इसलिए हम सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया के सबसे बड़े परिवार भाजपा पार्टी के सदस्य हैं। लोकसभा प्रभारी गौरीशंकर अग्रवाल ने कहा कि भाजपा ही एक ऐसी पार्टी हैं, जिसमें एक सामान्य कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री बन सकता है। डॉ. खिलावन साहू ने कहा सकी विधानसभा में कांग्रेस के 60 साल के शासनकाल में केवल दो सड़क बनी थी। भाजपा के 15 वर्ष के कार्यकाल में करोड़ों की लागत से 123 सड़क का निर्माण कराया गया।

चोरी का डीजल किया जप्त, आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़े

जांजगीर। डीजल की चोरी कर भंडारण करके रखने वाले तीन आरोपियों के पास से पुलिस ने 2130 लीटर डीजल बरामद किया है। जब्त डीजल की कीमत 2 लाख 2 हजार 350 रुपए बताई गई है। तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। मामले पर बलौदा थाना प्रभारी अशोक वैष्णव ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि ग्राम बुडगहन में डीहारीन के पास एक घर में अवैध रूप से चोरी का डीजल भंडारण कर रखा गया है।

सूचना पर छापा मार कार्रवाई की गई। इस दौरान विनोद कुमार बर्गजी के कब्जे से अलग-अलग प्लास्टिक के ड्रम/जरिकेन में रखे 890 लीटर डीजल बरामद किया। उसके दो अन्य साथी समीन खान और अभिमन्यु कुर्रे के कब्जे से अलग-अलग प्लास्टिक के ड्रम/जरिकेन में 750 लीटर और 490 लीटर सहित 2130 लीटर डीजल बरामदगी कया गया। तीनों आरोपियों पर कार्रवाई कर जेल भेज दिया गया है।

देवी मंदिरों में जगमगाए आस्था के दीप

देवरी-चांपा। ग्रामीण अंचल व नगर पंचायत के सभी देवी मंदिरों में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर दीप प्रज्वलन के साथ नवरात्र की पूजा प्रारंभ हो गई है। यह 17 अप्रैल तक चलेगी। ग्राम देवरी की मां चंडी दाई मंदिर, भगवती दाई मंदिर, नौ दुर्गा मंदिर, ठाकुर देव, बजरंग बली मंदिर, नगर पंचायत सारगांव के माता चौरा, गायत्री मंदिर, मुरकट्टी दाई, शीतला माता, मनका दाई, ठाकुर देव में घट स्थापना के साथ पूजा अर्चना कर ज्योत कलश प्रज्वलित किए गए। सभी जगह के देवी मंदिरों को आकर्षक ढंग से लाइट झालरों और फूलों से सजाया गया। अंचल के सभी देवी मंदिर परिसर में श्रद्धालु भक्तों की ओर से रोज भजन कीर्तन किया जा रहा है।

पर्यावरण रक्षा का माध्यम बनी गांव की सरई श्रृंगारिणी देवी

जांजगीर-चांपा। जिले के बलौदा जनपद के ग्राम डोंगरी में मां सरई श्रृंगारिणी की प्रसिद्ध मंदिर है, जहां 35 साल से अखंड ज्योति जल रही रही है। यह मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है।

चैत्र नवरात्रि में मनोकामना ज्योति कलश के लिए दूसरे राज्य के श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। इस मंदिर को सरई श्रृंगार के नाम से जाना जाता है, जो कि देश में एक अलग पहचान है।

विशालकाय पेड़ों से घिरा हुआ है मंदिर

मां सरई श्रृंगारिणी का मंदिर चारों तरफ से बड़े-बड़े विशालकाय पेड़ों से घिरा हुआ है, जो श्रद्धालुओं को शीतलता और शांति देते हैं। यह जगह सरई श्रृंगार के नाम से जाना जाता है, जो बलौदा वन परिक्षेत्र में है।

मां सरई श्रृंगार की विशेषता और उत्पत्ति

गांव के बुजुर्गों का कहना है कि कई वर्ष पहले ग्राम भिलाई का रहने वाला एक व्यक्ति

जंगल में पेड़ों की कटाई के लिए आया हुआ था। जब उसने एक सरई का पेड़ काट लिया, जिसे ले जाने के लिए अपने साथ गाड़ा लेकर पहुंचा, लेकिन जहां पर उसने पेड़ को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट कर रखा था, वहां से लकड़ी के टुकड़े नहीं थे।

कटा हुआ पेड़ जुड़ गया

स्थानीय लोगों का कहना है कि पेड़ फिर से जुड़ गया था, जिसे देखकर वह अचंभित हो गया। इस बार फिर पेड़ को कुल्हाड़ी से काटने लगा। इस दौरान माता रानी ने उसे पेड़ नहीं काटने के कई संकेत दिए, लेकिन वह पेड़ काटता ही रहा। ऐसे में उसके पूरे परिवार को बीमारियां घेरने लग गई, जिससे त्रस्त होकर पूरा परिवार गांव छोड़ दिया।

लोगों ने बताया कि गांव में बीमारी किसी और को न घेरे, इसलिए वन में आस पास के लोग देवी की आराधना करने लगे। तब से पेड़ की कटाई नहीं की जा रही है। बताया जाता है जहां अभी मंदिर बना है, उस जगह पर पहले झोपड़ीनुमा मंदिर हुआ करता था।

मंदिर निर्माण में नहीं काटे गए पेड़

कहा जाता है कि जैसे-जैसे लोगों के बीच मां सरई श्रृंगारिणी की जानकारी पहुंचती गई, लोगों में आस्था बढ़ती गई। इसके बाद मंदिर का निर्माण कराया गया। मंदिर निर्माण में एक भी पेड़ को काटा नहीं गया है।

यादव समाज करता है पूजा अर्चना

इस मंदिर में पूजा अर्चना केवल यादव समाज के लोग ही करते हैं। कोई पंडित नहीं है। श्रद्धा के साथ माता की पूजा अर्चना करते हैं। लोगों की खुशहाली की कामना करते हैं। श्रद्धालु अपनी मनोकामना के लिए मंदिर परिसर के पेड़ों में लाल कपड़े से नारियल बांधते हैं। इसके साथ ही मनोकामना पूरी होने पर ज्योति कलश प्रज्वलित करते हैं।

पंचमी पर समिति ने मंदिरों में अर्पण किया भगवा ध्वज

पकरिया। ग्राम पकरिया झुलन में चैत्र नवरात्रि की पंचमी को मां महामाया सेवा समिति, नेवारिया पारा जसगीत समिति के सदस्यों व ग्राम के बैगा के द्वारा जसगीत गायन के साथ गांव के इष्टदेवी, शीतला माता, बूढ़ा देव, ठाकुर देव चंडी दाई और ग्राम में विराजित देवालय में ध्वजा अर्पण किया गया। इस अवसर पर मनीष कुमार सिंगसार्वा, रामचंद कश्यप, राजकुमार वैष्णव, गोरे लाल जगत खप्पर बैगा, दिलेराम यादव, रघुवीर कश्यप, बिहारी लाल कश्यप विमल कश्यप, शिवनंदन कश्यप, श्रवण कश्यप, गजपति श्रीवास, रामप्रसाद केंवट, मनीष यादव, विवेक केंवट, राहुल केंवट, महेश कश्यप, प्रियेश, शिवकुमार व ग्रामवासी मौजूद रहे।

अनमोल वचन

बुरे वक्त में कंधे पर रखा गया हाथ, आपकी कामयाबी पर बजने वाली तालियों से कई गुणा ज्यादा मूल्यवान होता है।

हाईकोर्ट के बेबाक फैसले से सबसे मुश्किल विपक्ष

अरविंद केजरीवाल मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के बेबाक फैसले ने कई भ्रमों को दूर कर दिया है। यही कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करना गलत है। इसलिए कि वह झूठे तथ्यों और डराए गए गवाहों से बलात लिए बयानों पर आम आदमी पार्टी (आप) की दिल्ली सरकार को जमींदोज के इरादे से रची गई साजिश के तहत है। यह आम चुनाव में भागीदारी के समान अवसर के अधिकार से वंचित करना है। इनके पीछे केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार है, जिसके इशारे पर ईडी काम कर रहा है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने 25 मिनट तक पढ़े गए अपने फैसले में केजरीवाल की याचिका के सभी मुद्दों को बिंदुवार स्पष्ट किया है। फैसले के मुताबिक उनकी गिरफ्तारी नियमत- और साक्ष्य-आधारित है। रिमांड जायज है। ईडी के आठ-आठ समनों के बाद भी पूछताछ में न आना और पर्याप्त सबूत भी हों तो गिरफ्तारी लाजिमी है। इसमें हैसियत के हिसाब से फेरबदल नहीं किया जा सकता। दिल्ली के मुख्यमंत्री कीआबकारी नीति से जुड़े धनशोधन के करोड़ों रुपये के मामले में प्रमाणित संलिप्तता रही है। वे इससे व्यक्तिगत रूप से और बतौर आप संयोजक जुड़े रहे हैं। इसकी पुष्टि ईडी के समक्ष नहीं, बल्कि अदालत में धारा 164 के तहत गवाहों के बयानात से भी होती है। हालांकि आप नेता इन्हें ईडी का गढ़ा मान रहे हैं। उनका यह रवैया जनता को तथ्यों से गुमराह करने वाला है, चुनावी मौसम में वह चाहे जितना सही हो। यह अदालत की मान्यता के भी विरु द्ध है। हालांकि उच्च न्यायालय ने इन गवाहों से आगे मुकदमे की सुनवाई के दौरान केजरीवाल के बहस के हक को नकारा नहीं है। न्यायालय का यह स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण है कि यह मामला केंद्र नहीं बल्कि ईडी बनाम अरविंद केजरीवाल का है। यह कोई राजनीतिक नहीं, सीधे-सीधे भ्रष्टाचार का मामला है। इसके आरोपित को जांच के तरीके तय करने या इसमें कोई सुविधा मांगने का हक नहीं है। उसे एक आम नागरिक की तरह ही लड़ाई लड़नी होगी। इस फैसले ने मुख्यमंत्री को पैदल कर दिया है। उन्हें सहानुभूति पाने के लिए नया तर्क गढ़ना होगा। केजरीवाल की सबसे बड़ी चुनौती न्यायालय के इस आकलन को गलत ठहराने की होगी, जो ईडी से सहमत है कि आप एक पार्टी नहीं, बल्कि कंपनी की तरह है और वे खुद निदेशक की तरह काम करते हैं। उनके लिए फैसले का यह सबसे मुश्किल विपक्ष है। केजरीवाल अब सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष हैं, जहां इन टिप्पणियों पर भी गौर किया जाएगा।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन घूमनेफिरने में अधिक बीतेगा। आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। आपका कोई करीबी आपसे मिलने आएगा, जिससे मिलकर अपनी पुरानी यादें ताजा होंगी। छात्र खूब मन लगाकर पढ़ाई करते हुए नजर आएंगे। माता को लाल चुनरी चढ़ाए, रुके हुए पैसे वापस मिलेंगे।

वृष राशि : आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लेकर आया है। आज कोई काम शुरू करते वक्त आपको सोंच विचार करना चाहिए। आपकी आय के मुकाबले खर्चों में अधिकता रहेगी। नेत्र संबंधित समस्या के लिए डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। आपको पैसों के लेन-देन में सावधान रहने की जरूरत है। मां दुर्गा को पान का पत्ता अर्पित करें, मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

मिथुन राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। नया ऑफिस ज्वॉइन करना चाहते हैं तो समय आपका साथ देगा। कार्य क्षेत्र में सफलता हासिल होगी। आज नौकरी में उल्लास का माहौल बनेगा। डॉक्टर्स आज अपने सीनियर से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करेंगे। इस राशि के इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद होगा। माता के आगें माथा टेके, करोबार में बढ़ोतरी होगी।

कर्क राशि : आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज दोस्तों केसाथ बाहर खाने का प्लान बनायेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को सोच समझकर कोई भी फैसला लेना चाहिए। आज आप कोई नया सामान खरीदने का मन बना सकते हैं। व्यापार में थोडा बदलाव लायेंगे। आज आपका स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। आज किसी कन्या के पैर छूकर आशीर्वाद लें, आपकी मेहनत रंग लाएगी।

सिंह राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। व्यापार में अनुकूल स्थितियां बनी रहेंगी। आज बड़ों का सपोर्ट आपको मिलेगा। आज बच्चों के साथ आप समय बिताएंगे। आज आपको वाहन सुख के योग बन रहे हैं। लवमेट आज एक दूसरे के भावनाओं की कद्र करेंगे। स्कंद माता को फूल अर्पित करें, मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे।

कन्या राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत बनेगा। बिजनेस में कोई डील आज फाइनल होगी। आज नए क्लाइंट्स के साथ मीटिंग करेंगे। अविवाहितों के चल रहे रिश्ते की बात जल्द पक्की होगी। आप दोस्तों के साथ कुछ खुशी के पल बितायेंगे। किसी के सहयोग से आपको लाभ होगा। मां दुर्गा की उपासना करें, आपके आय में बढ़ोतरी होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने मे सफलता मिलेगी। जो लोग नौकरी कर रहे हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में दिए गए कार्यों को समय पर पूरा करना अच्छा रहेगा। उच्च अधिकारियों द्वारा आपको शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। दुर्गा जी की आरती करें, आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज का दिन आनंद से भरा रहेगा, आप जिंदगी को पूरी तरह जिएंगे। इस राशि के प्रतियोगी परीक्षा के छात्रों को समझदारी से तैयारी करनी चाहिए। माता पिता की जिम्मेदारियों को उठाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। माता के सामने घी का दीपक जलाएं, जीवन में दूसरे लोगों का सहयोग मिलता रहेगा।

धनु राशि : आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। कोई पुराना मित्र आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है, आप उसे निराश नहीं करेंगे अपनी सामर्थ्य अनुसार सहायता करेंगे। सफलता की नयी किरण दिखाई देगी। काफी समय से वाहन लेने का मन बना रहे हैं तो आज वाहन लेने में समय आपका साथ देगा। दुर्गा स्त्रोत का पाठ करें, स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप कोई मशीनरी खरीदने का मन बना सकते हैं। परिवार के सदस्यों में प्रेमभाव बढ़ेगा। लवमेट को मनचाहा उपहार मिलेगा। आर्ट्स के छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा। तकनीकी क्षेत्र के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन फेवरेबल है। स्कंदमाता को मीठे का भोग लगाएं, किस्मत का साथ मिलता रहेगा।

कुंभ राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। पुत्र पक्ष से सहयोग मिलेगा, रिश्ते में मिठास बढ़ेगी। इस राशि के लोगों का प्रोजेक्ट जल्द पूरा हो जाएगा, लोग आपके कार्य से खुश होंगे। आज आपको प्रमोशन से जुड़ी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ तालमेल बेहतर बनेगा। परिवार के साथ माता दुर्गा की पूजा करें, जीवन में खुशियां बनी रहेंगी।

मीन राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी मेहमान के आने से उनके सत्कार की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। आज आपको आय के नए साधन मिलेंगे। सिविल इंजीनियर्स का आज कोई पहले का प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा। आज आपकी सकारात्मक सोच कार्यों में सहयोग करेगी। मां दुर्गा को लौंग अर्पित करें, आपके सभी रूके हुए काम बनेंगे।

चुनाव में व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना का दौर चले

//ललित गर्ग //

लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भीन जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है।

लोकसभा चुनावों की सरगर्मियां उग्र से उग्रतर होती जा रही है, पहली बार भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा बन रहा है, कुछ भ्रष्टाचार मिटाने की बात कर रहे हैं तो कुछ भ्रष्टाचारियों को बचाने की बात कर रहे हैं। मुसलमान वोटों की राजनीति करने वाले दल अपने घोषणा पत्रों में उनके कल्याण की कोई बात ही नहीं कर रहे हैं, मुसलमानों का सशक्तीकरण करने की बचाय उनके तुष्टीकरण को प्राथमिकता दी जा रही है। कुछ दल देश-विकास की बात कर रहे हैं तो कुछ दल विकास योजनाओं की छिछालेदार कर रहे हैं। किसी भी दल के चुनावी मुद्दे में पर्यावरण विकास की बात नहीं हैं। व्यक्ति नहीं, मूल्यों की स्थापना के स्वर कहीं भी सुनाई नहीं दे रहे हैं। सत्ता और स्वार्थ ने अपनी आकांक्षी योजनाओं को पूर्णता देने में नैतिक कायरता दिखाई है। केजरीवाल जेल से सरकार चलाने की बात करके नैतिक एवं राजनीतिक मूल्यों के आन्दोलन से सरकार बनाने के सच को ही बदनुमा बना दिया है। इसकी वजह से लोगों में विश्वास इस कदर उठ गया कि चौराहे पर खड़े आदमी को सही रास्ता दिखाने वाला भी झूठा-सा लगता है। आंखें उस चेहरे पर सचाई की साक्षी ढूंढती हैं। समस्याओं से लड़ने के लिये हमारी तैयारी पूरे मन से होनी चाहिए। लोकतंत्र के महापर्व पर समझना चाहिए कि हमने जीने का सही अर्थ ही खो दिया है। यद्यपि बहुत कुछ उपलब्ध हुआ है। कितने ही नए रास्ते बने हैं। फिर भी किन्हीं दृष्टियों से हम भटक रहे हैं। भौतिक समृद्धि बटोरकर भी न जाने कितनी रिक्तताओं की पीड़ा सही है। गरीब अभाव से तड़पा है, अमीर अतृप्ति से। कहीं अतिभाव, कहीं अभाव। जीवन-वैषम्य कहां बांट पाया अपनों के बीच अपनापन। अट्टालिकाएं खड़ी हो रही हैं, बस्तियां बस रही हैं मगर आदमी उजड़ता जा रहा है। पूरे देश में मानवीय मूल्यों का ह्रास, राजनीति अपराध, भ्रष्टाचार, कालेधन की गर्मी, लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन, अन्याय, शोषण, संग्रह, झूठ, चोरी जैसे-अनैतिक अपराध पनपे हैं। धर्म, जाति, राजनीति-सत्ता और प्रांत के नाम पर नए संदर्भों में समस्याओं ने पंख फैलाये हैं। हर बार के चुनावों की तरह इस बार भी आप, हम सभी अपने आपको जीवन से जुड़ी अंतहीन समस्याओं के कटघरे में खड़ा पा रहे हैं। कहा नहीं जा सकता कि जनता की अदालत में कहां, कौन दोषी है? पर यह चिंतनीय प्रश्न अवश्य है हम इतने उदासीन एवं लापरवाह कैसे हो गये कि राजनीति को इतना आपराधिक होने दिया? जब आपके द्वार की सीढ़ियां मैली हैं तो अपने पड़ौसी की छत पर गन्दगी का उलाहना मत दीजिए। कोई भी अच्छी शुरूआत सबसे पहले स्वयं की की जानी जरूरी है। देश के लोकतंत्र को हांकने वाले लोग इतने बदहवास होकर निर्लज्जतापूर्ण कारनामे करेंगे, इसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। चौराहे पर खड़ा आदमी सब कुछ देख रहा है। उसे कुछ सूझ नहीं रहा कि वह कौन सी राह पकड़े। आम आदमी सरकार ने शराब-शिक्षा में घोटाले किए, दागी चिन्हित भी हुए लेकिन आप सरकार ने भ्रष्टाचार को लेकर दोहरे मापदंड अपना लिए। अपनों द्वारा किया गया भ्रष्टाचार कोई भ्रष्टाचार नहीं, राबर्ट वाड्रा के खिलाफ कुछ नजर नहीं आता और वे चुनाव लड़ने की बात करते हैं। बात केवल कांग्रेस की ही नहीं है, बात राजनीतिक आदर्शों की हैं। जिसकी वकालत करते हुए कभी अन्ना हजारे तो कभी बाबा रामदेव, कभी केजरीवाल तो कभी श्री रविशंकरजी जन-आन्दोलन की अगवाई करते देते थे, अब ना तो ऐसे आन्दोलन होते हैं न ही उन पर विश्वास रहा। हमारे भीतर नीति और निष्ठा के साथ गहरी जागृति की जरूरत है। नीतियां सिर्फ शब्दों में हो और निष्ठा पर संदेह की परतें पड़ने लगें तो भला उपलब्धियों का आंकड़ा वजनदार कैसे होगा? बिना जागती आंखों के सुरक्षा की साक्षी भी कैसी! एक वफादार चौकीदार अच्छा सपना देखने पर भी इसलिए मालिक द्वारा तत्काल हटा दिया जाता है कि पहरेदारी में सपनों का खयाल चोरी को खुला आमंत्रण है। भाजपा जो हमेशा राजनीतिक शुचिता की बात करती रही, उसकी शुचिता कहां है? कितने दागी एवं अपराधी नेताओं को उसने अपने दल में जगह ही नहीं दी, टिकट तक दे दिया। हो सकता है 400 के बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिये भाजपा की कुछ मजबूरियां हो। कमल तो खिलेगा ही, लेकिन उस खिलाहट में मजबूरियों के नाम पर मूल्यों के साथ समझौता नहीं होता तो यह लोकतंत्र को स्वस्थ बनाने का एक अनूठा उदाहरण होता। श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कभी कहा था कि व्यक्ति को अपने जन्म से नहीं बल्कि कर्म से पहचाना जाना चाहिए, यह वाक्य उनके पोते राहुल गांधी पर भी लागू हो रहा है। वे तमाम सुखों एवं सुविधाओं में पले-बढ़े और उन्होंने जीवन में कोई संघर्ष नहीं किया या ये कहें कि जीवन के लिए संघर्ष करने की उनके सामने कोई नौबत नहीं आई। कहते हैं- ÷जा के पैर न परी बिवाई, वो क्या जाने पीर पराई÷। जब आप लोगों की पीड़ा को उसी भाव से महसूस नहीं कर पाते तो दूसरों को आपकी बात पर भरोसा नहीं हो पाता। इस भरोसे को पाने के लिए उस पीड़ा को पहले खुद भुगतना होता है। यही वजह है कि राहुल गांधी सच्ची और ठीक बात कहते हैं तब भी लोग उसे उस सच्चाई के साथ, उस भाव में अंगीकार नहीं कर पाते। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों का मौजूदा यह आचरण स्वीकार्य नहीं। पूरा राजनीतिक वातावरण ही हास्यास्पद हो चुका है। यदि हालात नहीं सुधरे तो राजनीतिक दलों की दुर्गति तय है। बदलती राजनीतिक सोच एवं व्यवस्था के मंच पर बिखरते मानवीय मूल्यों के बीच अपने आदर्शों को, उद्देश्यों को, सिद्धांतों को, परम्पराओं को और जीवनशैली को हम कोई ऐसा रंग न दे दें कि उससे उभरने वाली आकृतियां हमारी भावी पीढ़ी को सही रास्ता न दिखा सकें।राजनीति का वह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म-किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है।

मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छींटाकशी की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाठशाला के प्रधानाचार्य की तरह अपने दल के कार्यकर्ताओं को पाठ पढ़ाया कि वह झूठे एवं बेबुनियाद आरोपों की परवाह किए बिना तेजी से काम करें। जबकि विपक्षी दलों की सारी की सारी कवायद में एक अनर्थ सच्चाई के ही दर्शन हुए क्योंकि जैसे केवल चेहरे बदलने से दामन के दाग नहीं धुल जाते, वैसे ही कुछ युवा चेहरों को सामने खड़ा करने से क्रांतिकारी सोच पैदा नहीं की जा सकती। भ्रष्टाचार के मुद्दे को व्यक्तिगत आरोपों की झड़ी लगाकर पृष्ठभूमि में डालने की कोशिश की जा रही है।कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत-विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी हैं। हमें अतीत की भूलों को सुधारना और भविष्य के निर्माण में सावधानी से आगे कदमों को बढ़ाना। वर्तमान के हाथों में जीवन की संपूर्ण जिम्मेदारियां थमी हुई हैं। हो सकता है कि हम परिस्थितियों को न बदल सकें पर उनके प्रति अपना रूख बदलकर नया रास्ता तो अवश्य खोज सकते हैं। आने वाले नये राजनीतिक नेतृत्व का सबसे बड़ा संकल्प यही हो कि राष्ट्रहित में स्वार्थों से ऊपर उठकर काम करेंगे। राष्ट्र सर्वोपरि है और राष्ट्र सर्वोपरि रहेगा। व्यक्ति का क्या मूल और क्या विसात। विरोध नीतिगत होना चाहिए व्यक्तिगत नहीं। एक उन्नत एवं विकासशील भारत का निर्माण करने के लिये हमें व्यक्ति नहीं, मूल्यों एवं सिद्धान्तों को शक्तिशाली बनाना होगा।

क्या गाजियाबाद के भगवा किले पर फहराएगा तिरंगा

//कमलेश पांडे //

गाजियाबाद लोकसभा सीट की मुख्य चुनावी लड़ाई एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग और इंडिया गठबंधन की कांग्रेस-सपा-आप प्रत्याशी डॉली शर्मा के बीच होगी। हालांकि दलित और क्षत्रिय वोटों के सहारे बसपा प्रत्याशी नंद किशोर पुंडीर इस लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने में सफल हो जाएंगे।

देश की राजधानी नई दिल्ली से सटी औद्योगिक नगरी गाजियाबाद में लोकसभा चुनाव धीरे-धीरे जोर पकड़ रहा है। आम चुनाव 2024 के तहत यहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा, इसलिए पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक तपिश बढ़ती जा रही है। यहां की मुख्य चुनावी लड़ाई एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग और इंडिया गठबंधन की कांग्रेस-सपा-आप प्रत्याशी डॉली शर्मा के बीच होगी। हालांकि दलित और क्षत्रिय वोटों के सहारे बसपा प्रत्याशी नंद किशोर पुंडीर इस लड़ाई को त्रिकोणात्मक बनाने में सफल हो जाएंगे। यदि ऐसा हुआ तो सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा, कुछ कहा नहीं जा सकता। पहला फैक्टर है- शहरी बनाम ग्रामीण। आमतौर गाजियाबाद महानगर के शहरी इलाकों में जहां भाजपा की पैठ मजबूत है, वहीं ग्रामीण इलाकों में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की पकड़ मजबूत है। वर्तमान में सपा कांग्रेस की सहयोगी पार्टी है। जबकि बसपा की पैठ शहरी/ग्रामीण दोनों इलाकों के जातिविशेष में है। बता दें कि गाजियाबाद की 70 प्रतिशत आबादी शहरों में और 30 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। इस मामले में कांग्रेस पर भाजपा भारी पड़ सकती है।

दूसरा फैक्टर है- जातीय समीकरण। जो किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में विरले ही जाता है। एक आंकड़े के मुताबिक, कुल 29 लाख 38 हजार 845 मतदाताओं वाली इस सीट पर सर्वाधिक 18 प्रतिशत ब्राह्मण, 15 प्रतिशत मुस्लिम, 14 प्रतिशत ठाकुर, 12 प्रतिशत गुर्जर, 10 प्रतिशत वैश्य, 16 प्रतिशत वंचित और 15 प्रतिशत अन्य मतदाता हैं। चूंकि भाजपा ने वैश्य, कांग्रेस ने ब्राह्मण और बसपा ने क्षत्रिय प्रत्याशी उतारे हैं। ये तीनों जाति भाजपा की हार्ड कोर समर्थक मानी जाती है। शायद इसलिए भी कांग्रेस और बसपा ने उसी में सेंध लगाने की पहल की है। हालांकि, जातीय समीकरण भी अभी भाजपा के पक्ष में है क्योंकि उसने दलित, पिछड़े व पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की पहल शिद्दत पूर्वक की है, जबकि कांग्रेस इसे तोड़ने के लिए तरह-तरह के प्रयोग/उपाय कर रही है। लिहाजा, यहां भी भाजपा का पलड़ा कांग्रेस पर भारी है।राजनीतिक विश्लेषकों की राय है कि पिछले 2 लोकसभा चुनावों से काँग्रेस के वोट बैंक में भाजपा सेंध लगा चुकी है, जिसे वापस पाना अब भी कांग्रेस के लिए बहुत बड़ी चुनौती बनी हुई है। क्योंकि गरीबी हटाओ के नारे पर हिंदुत्व भारी पड़ चुका है। क्षद्म धर्मनिरपेक्षता पर राष्ट्रवाद हावी होकर बोल रहा है। वहीं, जातिविशेष पर बसपा की पकड़ से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए मौजूदा चुनावी लड़ाई दिलचस्प मोड़ लेती जा रही है। तीसरा फैक्टर है- सांप्रदायिक गोलबंदी। यह बात साफ है कि भाजपा को हिंदुओं के वोट थोक भाव में मिलते हैं, जबकि अल्पसंख्यक समाज का वोट रणनीतिक रूप से थोड़ा-बहुत। वहीं, कांग्रेस व उसके समाजवादी समर्थकों को अल्पसंख्यक समाज का वोट थोक भाव में मिलता है, जबकि बहुसंख्यक हिंदुओं के वोट जातीय आधार पर रणनीतिक रूप से थोड़ा बहुत। आंकड़े गवाह हैं कि जहां भी सांप्रदायिक गोलबंदी होती है, वहां भाजपा को ज्यादा, कांग्रेस को कम फायदा मिलता है। वहीं, अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में यह स्थिति उलट जाती है। चौथा फैक्टर है- सरकारी कामकाज और विभिन्न मुद्दे। इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी अतुल गर्ग जहां मोदी सरकार और योगी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं। अपने शहर विधायक होने और उत्तरप्रदेश में राज्यमंत्री के रूप में सेवा देने के बारे में भी बता रहे हैं। साथ ही राष्ट्रीय मुद्दों की भी बात कर रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रत्याशी डॉली शर्मा कोरोना काल में अतुल गर्ग के यूपी के स्वास्थ्य राज्यमंत्री रहते हुए भी उनके द्वारा बरती गई लापरवाही पर लगातार उन्हें घेर रही हैं।

इसके अलावा, भाजपा द्वारा केंद्रीय मंत्री जनरल वी के सिंह का टिकट काटने पर भी उनकी पार्टी को आड़े हाथों ले रही हैं। यही नहीं, स्थानीय मुद्दों पर भी उन्हें लगातार घेर रही हैं। उनका आरोप है कि विगत 15 सालों से भाजपा के सांसद हैं, लेकिन मलिन बस्तियों तक विकास की किरण नहीं पहुंची है। गांवों में भी विकास नदारत है। इसलिए उन्होंने दो टूक कहा है कि गाजियाबाद का चुनाव वो स्थानीय मुद्दों पर भी लड़ेंगी। क्योंकि शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण, स्वच्छता, सुरक्षा, मेट्रो पहुंच आदि को वह सबके अनुकूल करने का इरादा रखती हैं। महंगाई व बेरोजगारी दूर करने का जज्बा रखती हैं। यहां पर कांग्रेस का पलड़ा कैंडिडेट के तेवर की वजह से भारी है और यही तेवर उनकी असली सियासी पूंजी है।

पांचवां फैक्टर है- संगठन और उसके दांवपेंच। इस मामले में भाजपा का कोई मुकाबला नहीं कर सकता है, क्योंकि उसके ऊपर आरएसएस का परोक्ष हाथ हमेशा से ही रहता आया है। कांग्रेस भी अपने सेवा दल के सहारे देश पर लंबे समय तक राज कर चुकी है, जो अब कमजोर हो चुकी है। वहीं, नई आर्थिक नीतियों के दुष्परिणाम स्वरूप समाज में ऐसी प्रतिस्पर्धा बढ़ी कि सेवा भाव अब लगभग गायब होते जा रहा है और श्रम मूल्य सामाजिक जीवन में प्रभावशाली स्थान लेता जा रहा है। वहीं, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी सपा और आप के कैडर तो हैं, लेकिन ये भाजपा की रणनीति का मुकाबला कितने कारगर ढंग से कर पाते हैं, सबकुछ इस बात पर ही निर्भर करेगा। हालांकि पारस्परिक समन्वय बिठाना कोई बच्चों का खेल नहीं है। वहीं, बसपा के पास लगभग 20 प्रतिशत कैडर वोट है, जिसके सहारे भारतीय राजनीति में उसकी पूछ निरंतर बनी हुई है। जबकि गत 12 वर्षों से वह यूपी की सत्ता से बाहर है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मीडिया और सोशल मीडिया में अक्सर छाई रहने वाली कांग्रेस प्रत्याशी क्या भगवा किले पर कांग्रेसी तिरंगा फहरा पाएंगी? क्या लुंज-पुंज कांग्रेस संगठन के सहारे वह अपने गठबंधन सहयोगियों को साधकर अपना लक्ष्य पूरा कर पाएंगी? क्या अपनी आक्रामक सियासी शैली से वह शांतिप्रिय व सुशिक्षित शहरी मतदाताओं को लुभा पाएंगी? क्या सियासी रूप से अनुभवहीन लोगों की फौज का नेतृत्व करते हुए वह गाजियाबाद के मैदान को फतह कर पाएंगी। सधा हुआ जवाब तो यही मिल रहा है कि आज की तिथि में दिल्ली उनके लिए बहुत दूर तो नहीं, बल्कि सन्निकट भी नहीं है। आने वाले दिनों में उन्हें कई सियासी पापड़ भी बेलने पड़ेंगे, लेकिन सवाल फिर वही कि क्या वह ऐसा कर पाएंगी? यदि नहीं तो अतुल का अतुलित सियासी बल उन्हें इस बार भी मात दे सकता है!

तस्वीरों की दुनिया

चुमौकेदिमा जिले में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो।

लोकसभा चुनाव से पहले हल्द्वानी में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

लोकसभा चुनाव से पहले बस्तर जिले में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ छत्तीसगढ़ भाजपा अध्यक्ष किरण सिंह देव।

बीजेपी उम्मीदवार और दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी मथुरा में लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करती हुई।

लोकसभा चुनाव से पहले हनुमानगढ़ में एक चुनावी रैली के दौरान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा।

लोकसभा चुनाव से पहले मंडी में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान अभिनेत्री और भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत।

भाजपा का संकल्प पत्र, विकसित भारत और बेहतर अवसर पर हो सकता है केंद्रित

नईदिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

भाजपा अपना चुनावी घोषणा पत्र रविवार को जारी करेगी। माना जा रहा है कि संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चार जातियों का विशेष ख्याल रखा गया है। गरीब, युवा, किसान एवं आधी आबादी के प्रोत्साहन के लिए काफी कुछ होगा। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र को संकल्प पत्र का नाम दिया है, जिसकी थीम 2047 तक विकसित भारत बनाने की मोदी की गारंटी पर आधारित हो सकती है।दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में संकल्प पत्र को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह एवं अमित शाह जारी करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री की भी उपस्थिति हो सकती है। सूत्रों का कहना है कि संकल्प पत्र में किसान कल्याण का उल्लेख विशेष तौर पर होगा।पीएम किसान सम्मान निधि के पैसे बढ़ाने की घोषणा भी हो सकती है। अभी किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये दिए जाते हैं।

इसी तरह परोक्ष तौर पर किसानों के लिए कुछ अन्य योजनाओं की भी घोषणा की जा सकती है। सत्ता में आने पर एक ऐसे कानून बनाने का भी वादा किया जा सकता है कि जिसमें ईडी द्वारा जब्त संपत्ति के मामले में निवेशकों को जल्द पैसे वापस करने जैसी बात हो सकती है।पहली बार राम मंदिर और 370 का जिक्र नहीं होगा, क्योंकि भाजपा के लिए दोनों मुद्दे अब अप्रासंगिक हो गए हैं। लेकिन समान नागरिक संहिता का उल्लेख हो सकता है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र को जारी करने के लिए रविवार इसलिए चुना है कि नवरात्रि के साथ ही इसी दिन बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती भी है।कांग्रेस का घोषणा पत्र पहले ही जारी किया जा चुका है। राजद की ओर से नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को परिवर्तन पत्र जारी किया है। सपा का घोषणापत्र भी जारी हो चुका है। भाजपा ने संकल्प पत्र बनाने के लिए केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 27 सदस्यों की समिति बनाई थी।

टीवी डिबेट में अपनी-अपनी बात रख रहे थे पार्टी प्रवक्ता, तभी भिड़ गए कांग्रेस-भाजपा कार्यकर्ता, एक-दूसरे पर फेंकी कुर्सियां

जबलपुर, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

लोकसभा चुनाव को लेकर देश में माहौल काफी गर्म है। अक्सर हम देखते हैं कि चुनावों के दौरान अपनी-अपनी पार्टियों के समर्थक एक-दूसरे से भिड़ जाते हैं। ऐसा ही एक नजारा जबलपुर के भंवरताल में देखने को मिला। यहां एक टीवी डिबेट के दौरान कांग्रेस भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए और देखते ही देखते दोनों गुटों के बीच लात-घूंसे चलने लगे। माहौल ऐसा हो गया कि लोग अपनी जान बचाकर वहां से निकलते दिखाई दिए। मारपीट में दोनों दल के कई कार्यकर्ता घायल हो गए। कुछ घायलों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। हंगामा और मारपीट का आरोप दोनों दलों के नेताओं के एक-दूसरे के विरुद्ध लगाया है। इसके बाद देर रात तक दोनों दल की ओर से शिकायत पंजीबद्ध कराने को लेकर देर रात तक थाने में हंगामा करते रहे। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत को जांच में लिया है।

भंवरताल में आयोजित वाद-विवाद कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के उत्तर-मध्य विधायक अभिलाष पांडे और कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक विनय सक्सेना के साथ ही दोनों दल के अध्यक्ष सहित कार्यकर्ता और समर्थक शामिल थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रश्न-उत्तर की शृंखला के दौरान कांग्रेस के एक नेता ने भाजपा के एक शीर्ष नेता को लेकर कुछ व्यक्तिगत टिप्पणी कर दी। इसका कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। दोनों ओर से टीका-टिप्पणी अचानक बढ़ गई और सभी आक्रामक हो गए। देखते ही देखते दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। भीड़ में जिसको हाथ में जो मिला उसी से विरोधी पर हमला कर दिया। इस दौरान मची भगदड़ में कई राहगीर भी प्रभावित हुए। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे-तैसे मामला शांत कराया।

30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से ज्यादा नहीं दौड़ाई जा सकेंगी स्कूल बसें, सख्ती से आदेश का होगा पालन

चंडीगढ़ 14 अप्रैल। हरियाणा में कोई स्कूल बस 30 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक रफ्तार से नहीं दौड़ाई जा सकेगी। न केवल निजी स्कूलों की बसों, बल्कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को ले जा रहे वाहनों की भी जांच होगी। किसी रूट पर 20 से अधिक छात्र हुए तो रोडवेज की बसें लगाई जाएंगी। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने इस संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और मौलिक शिक्षा अधिकारियों को लिखित आदेश जारी कर दिए हैं। विद्यार्थी परिवहन सुरक्षा योजना के तहत प्रदेश में एक किलोमीटर से अधिक दूर के स्कूल में जाने वाले बच्चों के लिए सरकार के स्तर पर वाहन की व्यवस्था की जाती है।निर्देशों में कहा गया है कि शिक्षा विभाग के अधिकारी परिवहन विभाग के साथ मिलकर छात्रों के लिए लगाए गए ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, कार, वैन, जीप, मिनी बस और बसों सहित अन्य वाहनों की जांच सुनिश्चित कर एक सप्ताह के अंदर रिपोर्ट दें।

नेत्रहीन मतदाताओं को भी सुविधाएं देने में जुटा निर्वाचन आयोग, मिलेंगी ये खास सुविधाएं

यमुनानगर। निर्वाचन आयोग की ओर से नेत्रहीन दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए एपिक कार्ड और फोटो वोटर स्लिप ब्रेल लिपि में छपवाई जाएगी और ब्रेल बैलेट पेपर तथा ईवीएम पर स्लिप की सुविधा भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा दिव्यांग मतदाताओं को अनेक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं, जिसमें व्हीलचेयर की व्यवस्था, मतदान केंद्रों में रैंप और परिवहन की सुविधा शामिल है।जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन मनोज कुमार ने बताया कि सभी दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने और वापस घर छोड़ने के लिए वाहन की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी और जो मतदाता चलने में असमर्थ हैं, उन दिव्यांग मतदाताओं को व्हीलचेयर भी उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रत्येक मतदान केंद्र पर रैंप की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि नेत्रहीन दिव्यांग मतदाता और असक्त दिव्यांग मतदाता जो मशीन का बटन दबाकर वोट डालने में असमर्थ हैं, वह वोट डालने के लिए एक सहयोगी को अपने साथ लेकर जा सकते हैं। सहयोगी की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।

उन्होंने बताया कि दिव्यांग मतदाता जो स्वयं ईवीएम का बटन दबाकर वोट डालने में समर्थ हैं, उन मतदाताओं के साथ आने वाले सहयोगी दिव्यांग मतदाता को वोटिंग कक्ष तक ले जा सकते हैं, परंतु सहयोगी वोटिंग कक्ष के अंदर नहीं जा सकते हैं।लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी एंव डीसी कैप्टन मनोज कुमार ने अधिकारियों को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के दौरान जिला में अवैध रूप से शराब की बिक्री न हो इसके लिए संबंधित विभाग तत्परता से निगरानी करें और समय-समय पर अधिकृत शराब ठेकों पर रिकार्ड भी चेक करें।

विजयवाड़ा में सीएम जगन मोहन रेड्डी पर चुनाव प्रचार के दौरान हुआ हमला, माथे पर लगी चोट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर शनिवार को अज्ञात व्यक्तियों ने पथराव कर दिया। मुख्यमंत्री पर यह पथराव उस समय हुआ जब वह विजयवाड़ा में अपनी पार्टी के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे। इस पथराव में सीएम जगन मोहन घायल हो गए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी।मुख्यमंत्री के मेमंता सिद्धम नामक चुनाव प्रचार के दौरान उन पर पथराव हुआ। ऐसे में एक पत्थर उनकी आंख से ऊपर लगा और वह घायल हो गए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मुख्यमंत्री जब अपने बस टूर के दौरान सिंह नगर के विवेकानंद स्कूल सेंटर में भीड़ का अभिवादन कर रहे थे तब उन्हें पत्थर आ लगा।

मुख्य साजिशकर्ता सतनाम और सुल्तान गिरफ्तार एक लाख का इनामी शूटर को तलाश रही पुलिस

हल्द्वानी, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

उत्तराखंड के नानकमत्ता में डेरा कारसेवा प्रमुख बाबा तरसेम सिंह की हत्या के मामले में मुख्य साजिशकर्ता 20 हजार के इनामी सुल्तान सिंह व सतनाम सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को कोर्ट में पेशी के बाद जेल भेज दिया गया। हालांकि सतनाम को पुलिस ने शुक्रवार को ही पकड़ लिया था, लेकिन अधिकृत रूप से शनिवार को उसकी गिरफ्तारी दिखाई गई है।वहीं, एक लाख के इनामी शूटर सर्वजीत सिंह की तलाश में पुलिस अब भी दबिश दे रही है। हालांकि हत्याकांड में कई चेहरों की गिरफ्तारी के बावजूद अब भी यह रहस्य बरकरार है कि आखिर तरसेम को मारने के लिए सुपारी किसने दी थी। इससे पुलिस की कार्यप्रणाली

भी संदेह के घेरे में है।एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने बताया कि 28 मार्च को बाइक सवार बदमाशों ने तरसेम सिंह की हत्या कर दी थी। उनकी पहचान सर्वजीत सिंह व अमरजीत सिंह उर्फ बिट्टू के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल दिलबाग सिंह, अमनदीप सिंह उर्फ काला, हरमिंदर, बलकार सिंह को गिरफ्तार किया कर लिया है। साथ ही बाजपुर में शूटरों को राइफल उपलब्ध कराने वाले परगट सिंह, जसपाल सिंह भट्ठी उर्फ मिंटू व सुखदेव सिंह उर्फ सोनू की भी गिरफ्तारी हो चुकी है।

एक शूटर अमरजीत सिंह मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया है। फरार चल रहे मुख्य साजिशकर्ता सतनाम सिंह और 20 हजार के इनामी सुल्तान सिंह को भी पकड़ लिया गया है। सतनाम पुलिस से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। उसकी गिरफ्तारी गौरी फंटा से हुई। जबकि सुल्तान सिंह को पिछलखेड़ा, जींद (हरियाणा) से गिरफ्तार किया गया।एसएसपी ने बताया कि सुल्तान ने तराई क्षेत्र में गुरुद्वारों व सिख समुदाय से जुड़े धार्मिक स्थलों पर वर्चस्व को लेकर चल रही रंजिश के कारण अपने साथियों और कुछ प्रभावशाली लोगों के साथ मिलकर बाबा तरसेम को मारने की योजना बनाई।

भारत को चीन या पाकिस्तान से कोई खतरा नहीं, कब्जे को लेकर चर्चाएं पूरी तरह से अफवाह, वीके सिंह ने किया दावा

जयपुर, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग राज्यमंत्री वीके सिंह ने कहा कि भारत को चीन या पाकिस्तान से कोई खतरा नहीं है। अरुणाचल प्रदेश पर चीन के कब्जे को लेकर जो चर्चाएं चल रही हैं, वह पूरी तरह से गलत और अफवाह है। धरातल पर ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है। यह सिर्फ एक मिथ्य है, जिसे दिमाग से निकालने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि चीन ने कोई कब्जा नहीं किया है। सिर्फ विपक्ष द्वारा अरुणाचल प्रदेश के मुद्दे को गलत तरीके से पेश किया गया है। जो स्थिति अरुणाचल प्रदेश में साल, 2012 से पहले थी, वही स्थिति आज भी है। उसमें कोई बदलाव नहीं हुआ है, ऐसे में जो भी लोग कह रहे हैं कि चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया, उन लोगों की बात नहीं माननी चाहिए। शनिवार को जयपुर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने यह जानकारी दी। उन्होंने यहां प्रबुद्धजनों के साथ संवाद भी किया। राज्यमंत्री ने कहा कि मैं भारत का सेनाध्यक्ष रहा हूं। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के भारत में मिलने के सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि वहां के लोग भारत में आने का मन बना रहे हैं। जिस दिन उन लोगों का पक्का मन बन जाएगा, उसी दिन यह संभव हो जाएगा। हमें सिर्फ खुद को बेहतर बनाने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि आज पाकिस्तान के क्या हालात हो गए। वहां लोगों को रोटी तक नहीं मिल रही है। चीन को छोड़ हमें खुद की चीजों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसा करके ही हम आगे बढ़ सकते हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार को लेकर जो वादा जनता से किया था, उसे पूरा किया है।सिंह ने कहा कि हमारी सरकार ने लगभग दस लाख लोगों को सरकारी क्षेत्र में नौकरी उपलब्ध करवाई है।

वहीं निजी क्षेत्र को मिलाकर करीब दो करोड़ लोगों को रोजगार देने का काम अब तक मोदी सरकार ने किया है।अग्निवीर योजना में संशोधन और विरोध के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस योजना से भारतीय सेना का मनोबल नहीं गिरा है। अग्निवीर का पहला बैच अब यूनिटों में आना शुरू हो गया है। जिससे सब लोग खुश और संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि अग्निवीर योजना में जो भी परिवर्तन करना होगा वो किया जाएगा।

सेवानिवृत्त IAS अधिकारी पीके दास को मिली केंद्र में बड़ी भूमिका पर्यावरण व वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में बने चेयरमैन

चंडीगढ़, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

हरियाणा के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी पीके दास अब केंद्र में बड़ी भूमिका में निभाएंगे। केंद्र सरकार ने पीके दास को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस बाबत केंद्र की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। साल 1986 बैच के आईएएस अफसर प्रणब किशोर दास 36 वर्षों की सेवाओं के बाद वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बिजली निगमों के चेयरमैन की जिम्मेदारी सौंपी थी। प्रदेश में बिजली व्यवस्था को सुधारने और लाइन लास को घटाने में पीके दास का बड़ा योगदान माना जाता है। जगमग योजना से लेकर गर्मियों के सीजन में बिजली की आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने में पीके दास ने बड़ी सकारात्मक भूमिका निभाई थी।

उनके नेतृत्व में न केवल बिजली कंपनियां मुनाफे में आई, बल्कि पिछले लंबे समय में प्रदेश में बिजली की दरों में बढ़ोतरी नहीं हुई है।

विगत मार्च में पीके दास ने बिजली निगमों के चेयरमैन से इस्तीफा दे दिया था। अब एक माह बाद केंद्र सरकार की ओर से उन्हें पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के चेयरमैन की बड़ी जिम्मेवारी सौंपी गई है। सेवानिवृत्त आईएएस पीके दास का कहना है कि केंद्र सरकार की ओर से उन्हें जो जिम्मेवारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी निष्ठा के साथ निभाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और जलवायु पर काम किया जाएगा। मंत्रालय की योजनाओं को अमलीजामा पहनाना प्राथमिकता रहेगी। सेवानिवृत्त आईएएस पीके दास की गिनती तेजतर्रार और ईमानदार अफसरों में होती थी। अपनी 36 वर्षों की सेवाओं के दौरान पीके दास ने अनेक विभागों की जिम्मेवारी संभाली है।

डॉक्टर बनने का सपना देख रहे हिंदी मीडियम के छात्रों के लिए गुड न्यूज! बिहार में अब हिंदी में होगी मेडिकल की पढ़ाई

पटना। बिहार में भी मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में कराने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग पहल कर रहा है। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने विभागीय समीक्षा के दौरान विभाग के अधिकारियों को इस दिशा में काम करने का सुझाव दिया है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की हिंदी में पढ़ाई करायी जा रही है। इसको लेकर बिहार का स्वास्थ्य विभाग लोकसभा चुनाव के बाद एक टीम मध्य प्रदेश भेजकर इसका अध्ययन करायेगा।स्वास्थ्य विभाग बिहार के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में एमबीबीएस और बीडीएस कोर्स की पढ़ाई को लेकर मध्य प्रदेश फॉर्मूले पर काम करेगा। हिंदी में कोर्स तैयार करने से लेकर उसको अमलीजामा पहनाने तक काम किया जाना है।इसमें सबसे बड़ी चुनौती है कि राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) से हिंदी में एमबीबीएस कोर्स आरंभ कराने की अनुमति प्राप्त करना। इसके पीछे विभाग की कोशिश है कि राज्य के विद्यार्थी अपनी मातृभाषा हिंदी में मेडिकल साइंस को आसानी से समझकर परीक्षा में बेहतर इलाज कर सकें।मध्य प्रदेश में पहले से ही यह परंपरा आरंभ हो गयी है। ऐसे में बिहार को भी इस दिशा में काम करने में परेशानी नहीं होगी।

सनातन का अपमान कर लोगों की भावनाएं आहत कर रही DMK, तमिलनाडु में अमित शाह ने सत्तारूढ़ दल पर बोला हमला

नागरकोइल, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक पर सनातन धर्म का अपमान करके लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया और लोगों से 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव में इस पार्टी को सबक सिखाने का आह्वान किया। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि द्रमुक ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर अशोभनीय टिप्पणी की। शाह ने पार्टी उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन (पोन्नार) के समर्थन में कन्याकुमारी लोकसभा क्षेत्र में एक मेगा रोड शो में कहा कि एक तरफ द्रमुक जन भावनाओं को आहत करती है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार सभी का सम्मान करती है और एकता में विश्वास करती है।शाह ने अपने प्रचार वाहन से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधने से पहले भगवान राम का नाम लिया। रोड शो के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक बार फिर मोदी सरकार, भारत माता की जय और एक बार फिर पोन्नार के नारे लगाए। शाह ने कहा कि मोदी देश को प्रगति के पथ पर ले जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा के 400 सीट से अधिक हासिल करने के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि तमिलनाडु में लोग चार सौ पार का नारा लगा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि द्रमुक और अन्नाद्रमुक के भ्रष्टाचार ने तमिलनाडु को प्रभावित किया है और लोगों से राज्य को इन भ्रष्ट पार्टियों से बचाने और अभूतपूर्व परिवर्तन के लिए भाजपा को चुनने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाएं और भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में हमारी मदद करें।

खदानों ने भर दी झारखंड सरकार की झोली, पहली बार टूटा राजस्व का रिकॉर्ड, डेढ़ से दोगुना आय हुई प्राप्त

रांची, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

झारखंड में खान एवं खदानों से सरकार को करोड़ों का राजस्व प्राप्त हुआ है और और पहली बार यह आंकड़ा दस हजार करोड़ के ऊपर गया है।राज्य सरकार का खजाना तो जरूर भरा है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन इलाकों में राजस्व की वसूली अधिक हुई है, जहां ईडी लगातार कैंप कर रही थी और ईडी पैसों की लेनदेन पर कड़ी निगरानी रख रही थी। इसके साथ ही जिन जिलों में पहले नाम मात्र का राजस्व प्राप्त होता था उन्हीं जिलों में लक्ष्य की तुलना में डेढ़ से दो गुणा तक राजस्व प्राप्त हुए हैं। झारखंड में विभिन्न जिलों में अलग-अलग प्रकार के खदानों से राजस्व प्राप्ति में पिछले वर्ष की तुलना में पांच सौ करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्राप्त हुई है।कुछ जिलों में तो यह आंकड़ा आश्चर्यजनक रूप से दोगुना के करीब पहुंच गया है। अन्य कई जिलों में सामान्य वसूली भी हुई रहती तो झारखंड का प्रदर्शन कहीं बेहतर हुआ रहता। जमशेदपुर, रांची, लातेहार, चतरा

आदि जिलों में कुल वसूली लक्ष्य की तुलना में 36-60 प्रतिशत के बीच रही है। खान-खदानों से हुई आमदनी में इस वित्तीय वर्ष की सबसे बड़ी बात यह रही है कि राज्य के आधे जिलों ने निर्धारित लक्ष्य के हिसाब से बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पिछले वर्षों की तुलना में आंकड़ा भले कुछ ही बेहतर नहीं दिख रहा हो, प्रतिशत के लिहाज से रिकार्ड कहीं बेहतर है। झारखंड के कई जिलों में जहां खनन प्रक्रिया और खनिजों के परिवहन की निगरानी नहीं की गई वहां से राजस्व में भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऐसा उन जिलों में भी हुआ है जहां पूर्व के वर्षों में रिकॉर्ड राजस्व की प्राप्ति हुई है।

रामगढ़ में इस वर्ष की उपलब्धि महज 68 प्रतिशत रही है जबकि पूर्व के वर्षों में 80-90 प्रतिशत तक उपलब्धि दर्ज होती रही है। आश्चर्यजनक रूप से इस वर्ष जिले में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में कम राजस्व की वसूली हुई है। कोयला उत्पादन के लिए मशहूर इस जिले से प्राप्त राजस्व राज्य के विकास को लेकर महत्वपूर्ण स्थान रखता है। कोयला उत्पादन में धनबाद का पूरे देश में नाम है लेकिन इस वर्ष धनबाद से भी राजस्व में उम्मीद से कहीं कम वसूली दर्ज हुई है। इसी प्रकार लौह अयस्क के लिए प्रसिद्ध चाईबासा से भी राज्य को कम राजस्व मिला है। अधिक जानकारी के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के आंकड़ों को देखा जा सकता है।

मनमोहन सिंह सच्चे राजनेता, मोदी अपनी विरासत के बारे में सोचें, उमर अब्दुल्ला ने केंद्र पर साधा निशाना

श्रीनगर, 14 अप्रैल (एजेंसी)।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्र सरकार पर अपने राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ईडी और अन्य जांच एजेंसियों का दुरुपयोग का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एक सच्चे राजनेता रहे हैं। मुझे लगता है कि नरेन्द्र मोदी भी आगे चलकर यह जरूर सोचेंगे कि वह अपने पीछे कैसी विरासत छोड़कर जा रहे हैं। बारामुला-कुपवाड़ा संसदीय सीट से चुनाव लड़ रहे उमर ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जिन मामलों में जांच कर रहा है। उनमें 95 प्रतिशत उन राजनीतिक नेताओं और राजनीतिक दलों के खिलाफ हैं, जो भाजपा के विरोधी हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री जरूर विचार करेंगे कि वह क्या छोड़कर, क्या देकर जा रहे हैं। मुझे लगता है कि उनका लक्ष्य जवाहरलाल नेहरू से अधिक समय तक प्रधानमंत्री बने रहना है। उमर ने आईएनडीआई एलांयस की तरफ से प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में किसी का नाम न लेने पर कहा कि यह सवाल चुनाव के बाद पूछा जाए तो बेहतर है।

बड़ों की सलाह आएगी बड़े काम, नहीं पड़ेगा बाद में पछताना

बड़े समझाते हैं, तो युवा उसे ज्ञान कहते हैं, लेकिन मशहूर लोग भी मानते हैं कि जब वे युवा थे, तब चंद बातों पर गौर किया जाना ज़रूरी था। उन्हीं में चंद सलाहें आमुख के ज़रिए प्रस्तुत की जा रही हैं। कुछ साल पहले यह रिवाज था कि किसी हस्ती से साक्षात्कार लेने के बाद उससे आखिरी सवाल के तौर पर पूछा जाए कि अगर आप अपने 20 साल वाले युवा रूप को कोई एक सलाह देना चाहें, तो वो क्या होगी जाने-माने लोगों ने बताया कि उनकी युवावस्था में ज़िंदगी के किसी उल्लेखनीय पक्ष पर तब ध्यान देते, तो अच्छा होता। इसकी एक फ़ेहरिस्त है। इसमें दर्ज हर सलाह, युवाओं के लिए सीख है और जो लोग अब मध्यवय या उसे पार कर चुके हैं, उनके लिए भी अपनी उम्र के सबक़ याद करने का अवसर है।

सेहत को नज़रअंदाज़ कभी मत करना। यह सबसे बड़ी भूल है।

उम्मीद ही थी कि सेहत से जुड़ी सलाह सबसे ज़्यादा लोगों के मन में आएगी। होता यही है कि जब युवा होते हैं, तब सेहतमंद खाने, नियमित जांच कराने या धूप लेने या हमेशा चुस्त कपड़े ना पहनने जैसी बड़ों की हिदायात ज़हर लगती हैं। लेकिन बड़े होते-होते इनकी क़ीमत समझ में आती है- कभी खुद कोई मोल चुकाकर, तो कभी किसी अपने को नुक़सान झेलते देखकर।

सेहत को सर्वोच्च प्राथमिकता देना ज़िंदगी को चुनना है।

नींद की कमी और बिगड़ी दिनचर्या पछतावे का कारण बनती है।

देर रात तक टीवी या मोबाइल में आंखें गड़ाए रहना, देर तक सोना, बेवक़्त और देर तक दोस्तों के साथ फ़िज़ूल गपियाना समय की बर्बादी है और उस युवा ऊर्जा को ज़ाया करना है, जो जीवन का लक्ष्य बनाने या कुछ महत्वपूर्ण करने में लगाई जा सकती है। दो-तीन घंटे की नींद को काफ़ी समझना तो और बड़ी भूल है।

पर्याप्त नींद और सुबह के सूरज की अहमियत को समझें।

'अवसर बहुत कम हैं' इस सोच को त्याग देना ही बेहतर है।

कई जाने-माने व्यक्ति मानते हैं कि जब वे युवा थे, तो अवसरों की कमी वाली सोच रखते हुए हमेशा गलाकाट प्रतियोगिता में भागते-दौड़ते-थकते रहते थे, जबकि बाद के अनुभवों ने सिखाया कि अगर सीखने की ललक, मेहनत और लक्ष्य की सही पहचान हो, तो सबके लिए पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। जो मौक़ों की कमी के झांसे में आकर फ़िज़ूल की रेस में ना भागते, तो युवा रहते ही बहुत कुछ सीख सकते थे।

मूल्य कमाना ज़्यादा ज़रूरी है।

असुविधा झेलने की आदत, विकास का मार्ग है।

यह कम्फर्ट ज़ोन से बाहर आकर कुछ नया करने, सीखने के लिए कष्ट उठाने की सलाह है। वैज्ञानिक भी इसकी पुष्टि करते हैं कि अगर सुविधाओं भरा, जाना-पहचाना मार्ग छोड़कर, कुछ तकलीफ़ें उठाकर चलना हो, तो यह मन और शरीर दोनों की सेहत को ताज़ादम बनाए रखता है। जाने-पहचाने रास्तों पर लापरवाही हो सकती है। जहां थोड़ी असुविधा है, वहां सजगता रहती है।

कष्ट करने से लक्ष्य मिलते हैं।

अपनी समस्याओं के लिए दूसरों को ज़िम्मेदार ठहराना व्यर्थ है।

यह गतिविधि सरल लगती है, लेकिन असल में इससे बहुत सारे नुक़सान होते हैं। हस्तियां इसमें समय की बर्बादी देखती हैं, लेकिन अगर यह मानसिकता में शामिल हो जाए, तो इंसान मेहनत करने, ज़िम्मेदारी लेने और हर तरह के नतीजों के लिए तैयार रहने से दूर हो जाता है। फिर जब कोई मुश्किल आती है, तो वह दूसरों के सिर मढ़ने को तैयार रहता है।

मुश्किलें आपके सामने आई हैं, तो हल भी आपको ही करना है। अपने जीवन की ज़िम्मेदारी लेना ज़रूरी है।

अपने हर पेय को पानी से बदल सकें, तो सर्वश्रेष्ठ होगा।

युवावस्था में भिन्न पेय आकर्षित करते हैं, ख़ासकर जिनसे ग्लैमर जुड़ा हो या जिनको पीना ही नहीं, हाथ में पकड़ना भी स्टाइल माना जाता हो। लेकिन कुछ सालों में पता चल जाता है कि पानी ही सबसे ज़्यादा ज़रूरी है। यह एहसास कोई बड़ी समस्या या रोग होने से पहले हो जाए, तो बेहतर।

जल बिन सेहत की कल्पना संभव नहीं है।

पार्टनर की तलाश करना कोई ज़रूरी नहीं है।

युवावस्था में सबसे बड़ा शग़ल होता है- साथी की तलाश। हस्तियां मानती हैं कि यह जद्दोजहद किसी काम की नहीं है। हीनभावना से ग्रसित होकर, जबरन की तलाश की स्पर्धा में शामिल होना कमज़ोरी की निशानी है। जीवन कोई तीन घंटे की फिल्म नहीं है जिसमें शुरुआती घंटे में ही हीरो या हीरोइन का मिलना ज़रूरी हो।

साथी जीवनभर के समर्पण का नाम होता है, जो सही समय पर मिल जाता है।

अभी बोलना नहीं, सुनना ज़रूरी है।

'आप पुराने ज़माने की बात कह रहे हैं'- ऐसा बच्चे अपने बड़ों से कहते हैं, लेकिन उन्हें ना सुनना बड़ी भूल है। युवावस्था सीखने, समझने और सुनने की उम्र है। यह आदत परिपक्व सोच को आधार देती है। सुनने का धैर्य रखने वाले लोकप्रिय भी होते हैं। दूसरे अपने अनुभव बताकर चूकों से बचा रहे हों, समय की बचत करने में मदद या क़ीमती मार्गदर्शन कर रहे हों, तो इससे कन्नी काटने की भूल न करें।

रिश्तों में कड़वाहट घोलने के लिए बस एक ताना ही काफी होता है, जानिए कैसे?

मज़ाक में या जानबूझकर कसा गया तंज़ भले सुझाव कहा जाए, लेकिन मन को तार-तार कर देता है।

'क्या बात है आजकल बड़ी बनी-ठनी रहती हो? आख़िर इतना कहां घूमती हो?'

ज़रूरी बिज़नेस मीटिंग से लौटकर पारुल ने घर में क़दम रखा ही था कि सोफे पर बैठकर टीवी देख रहे अमित ने एक-एक शब्द चबाते हुए ताना मारा। पारुल तिलमिलाकर रह गई। उसने कलह के डर से चुप रहना सही समझा। समझदारी से काम लेते हुए उसने संयत स्वर में कहा, 'बिज़नेस मीटिंग थी। एक डील में कुछ शर्तों पर सहमति नहीं हो रही थी। इसलिए थोड़ा समय लग गया।'

इसके बाद दोनों के बीच अगले एक हफ़्ते तक कोई बातचीत नहीं हुई। कुछ लोगों की आदत होती है कि वे अक्सर अपने जीवनसाथी, दूसरे परिजनों, अपनी संतान अथवा बुज़ुर्ग माता-पिता को ताना मारते हैं। सामने वाला जब आपत्ति जताता है तो वे अपनी बात का हर प्रकार से उचित सिद्ध करने लगते हैं। ऐसे में रिश्तों में अक्सर घुटन और खटास उत्पन्न होने लगती है।

'तुम्हें मेरी परवाह नहीं रही'

गीतांजलि किसी मामूली-सी भूल या लापरवाही के लिए या फिर कभी-कभी तो सबकुछ सामान्य रहते हुए भी अपने पति अविनाश को बीच-बीच में ताना मारती रहती है कि तुम्हें मेरी बिल्कुल परवाह नहीं रही। पता नहीं तुम्हारा आजकल कहां दिमाग़ उलझा हुआ रहता है। दरअसल, उसका मक़सद पति को मानसिक दबाव में रखकर उसे दोष देते रहना है, ताकि वो अपराधबोध से ग्रस्त रहे।

अपनी किसी सहेली की सीख पर उसने यह फॉर्मूला अपना रखा है। यही तरीक़ा कई बार पति भी अपनाते हैं। ऐसी बात दिल की गहराई में चुभती है और जीवनसाथी को दुख होता है कि दिन-रात सब कुछ करने के बाद भी उसे यही सुनने को मिला। स्नेह और विश्वास ही परवाह का आईना हो सकते हैं।

'तुम्हारी मित्र मंडली में मूर्ख भरे हैं'

मित्रता वह रिश्ता है जो किसी पर थोपा नहीं जाता है। कोई भी व्यक्ति ख़ुद अपनी रुचि और वैचारिक स्तर पर मेल-जोल रखने वालों को ही अपना दोस्त बनाता है। ऐसे में दोस्ती जीवनभर का रिश्ता होती है जिसे शादी से पहले और शादी के बाद भी निभाया जाता है।

जीवनसाथी अलग पृष्ठभूमि से होता है और उसके विचार व रुचियां भी अलग-अलग हो सकती हैं। मीनाक्षी का पति कई बार बात-बात में उसके दोस्तों को बेवकूफ़ कह देता है। कोई भी व्यक्ति प्रियजन का अपमान बर्दाश्त नहीं कर सकता। ज़ाहिर है, मीनाक्षी और उसके पति में शीत युद्ध की स्थिति चलती रहती है।

'तुम सनकी हो'

शोभा का स्वभाव है लोगों की मदद करना। उसे समाज सेवा करना और धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहना अच्छा लगता है। वह अक्सर घर के पुराने कपड़े या अनुपयोगी वस्तुएं भी बेचने या उनके बदले सामान लेने के बजाय वंचितों को दे देना ज़्यादा उचित समझती है। अक्सर रक्तदान के आयोजन या कंबल व वस्त्र वितरण आयोजनों में भी वह शामिल होती रहती है।

दिक़्क़त यह है कि उसके पति बजाय उसकी प्रशंसा करने या साथ देने के उसे अक्सर सनकी कहते हैं। जबकि आसपास के लोग, सभी रिश्तेदार और यहां तक कि शोभा के सास-ससुर भी उसके स्वभाव पर गर्व महसूस करते हैं और उसकी क़दर करते हैं। ऐसे में शोभा और उसके पति के बीच संबंधों में ज़रा भी गर्माहट नहीं है।

'आजकल ज़्यादा ही बनठन कर रहती हो'

सजना-संवरना, सलीक़े से रहना और अच्छे कपड़े पहनना कई लोगों का शौक़ होता है। रेखा भी घरेलू कामकाज निपटाकर अच्छी तरह तैयार होकर ही सब्ज़ी ख़रीदने या शॉपिंग के लिए जाना चाहती है। लेकिन उसके पति राहुल को उसका ढंग से रहना भी नहीं सुहाता। वह शक की आग में ख़ुद भी जलता है और रेखा को भी इस बात से दुखी करता है।

वह ख़ुद अक्सर लापरवाही से रहता है, बिना प्रेस के कपड़े पहन लेता है या बिना शेविंग के अपनी दुकान चला जाता है। ज़ाहिर है, वह चाहता है कि रेखा भी ऐसा ही करे। लेकिन उसकी सोच ने उनके जीवन को दूभर बना दिया है।

ऐसे जुमले भी हैं तनाव का सबब

कितना खाती हो? अभी 2 घंटे पहले खाना खाया है और अब फल ठूंस रही हो।

तुम बहुत बड़ी ड्रामेबाज़ हो। मुझे इमोशनल ब्लैकमेल करने की कोशिश मत करो।

तुम्हारे घरवालों की औकात दो कौड़ी की है।

तुम्हारी याद्दाश्त को क्या हुआ है, कभी कुछ याद नहीं रहता।

सच तो यह है कि तुम्हें कोई पसंद नहीं करता।

तुम मेरे जीवन को बर्बाद कर दिया है। दरअसल, तुम एक पनौती हो।

लोगों के सामने अपमान करना और फिर अकेले में माफ़ी मांगते हुए कहना, 'मैं तुम्हें अपना समझता हूं, इसलिए अधिकारपूर्वक सबके सामने डांट दिया।'

आप जो नमक रोज खा रहे हैं, कहीं वो आपको बीमार तो नहीं बना रहा है?

स्वाद बढ़ाना है या पोषण ठीक रखना है, इस दोराहे पर हम रोज़ खड़े होते हैं। ख़ासतौर पर नमक के मामले में। हमारे शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स को (आवश्यक खनिज) बैलेंस करने के लिए दो चीजों की ज़रूरत होती है - सोडियम और पोटैशियम। इनके असंतुलन से अनेक बीमारियां हो सकती हैं। अगर पोटैशियम ज़्यादा हो जाए तो हाइपरकैलेमिया हो जाता है। अगर नमक ज़्यादा हो जाता है तो हाइपरनेट्रेमिया (रक्त में सोडियम का स्तर बढ़ जाना) हो जाता है। अगर नमक कम हो जाता है तो हाइपोनेट्रिमिया (रक्त में सोडियम का स्तर कम होना) हो जाता है और पोटैशियम कम होने पर हाइपोकैलिमिया हो जाता है। नमक की कमी के बहुत सारे कारण हो सकते हैं, जैसे हमने सारा दिन काफी मात्रा में पानी पिया लेकिन पूरे दिन नमक का सेवन पर्याप्त नहीं था जिसकी वजह से हमारे शरीर में मौजूद

सोडियम घुलकर बाहर निकल गया या फिर किडनी के सही ढंग से काम न करने की वजह से सही फिल्ट्रेशन नहीं हुआ या कोई डाययूरेटिक्स (पेशाब बढ़ाने वाली दवा) ले रहे हैं जिसकी वजह से आपका सोडियम स्तर कम हो गया है। सोडियम का स्तर कम होने से आपको कई समस्याएं आ सकती हैं जैसे दिमाग का ठीक से काम न करना, भ्रमित होना, चीज़ों को पहचानने में मुश्किल आना आदि। नमक का अधिक सेवन करने पर ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और लगातार मात्रा कम रहने पर ब्लड प्रेशर कम हो जाता है इसलिए नमक का सेवन उचित मात्रा में करें।

मेहमान का आने की खबर सुनते ही बच्चे उनसे आखें बचाने लगते हैं, ऐसे में बच्चे को सिखाएं कि उनका सम्मान कैसे करना है

मेहमानों की आवभगत में अगर बच्चे का सकारात्मक साथ मिल जाए तो मेहमाननवाज़ी में संस्कारों का तड़का लग जाता है।

मेरे एक मित्र हैं जिनकी बच्ची है आन्या, वह अभी बस तीन साल की है। उनके घर में जब भी कोई मेहमान आते हैं तो वह झट से उन्हें नमस्ते करके पानी के लिए पूछती है। इस बात की तारीफ़ घर में आया हर मेहमान करता है। इससे उसके माता-पिता को भी काफ़ी ख़ुशी होती है। हालांकि ऐसा कम ही बच्चों में देखने को मिलता है क्योंकि आजकल अधिकांश बच्चे या तो मेहमानों से आंखें बचाते हैं या फिर उनसे बातें करने से कतराते हैं।

आप भी आन्या जैसी अतिथि सत्कार की भावना बच्चों में इन तरीक़ों से विकसित कर सकते हैं...

बच्चे आपका ही आईना हैं

बच्चे को अगर किसी और भाषा की समझ देनी है तो आपको भी उसी भाषा में बात करनी होगी। ठीक इसी प्रकार जब आप चाहते हैं कि बच्चे दूसरों से सम्मान और आदर के साथ पेश आएं तो आपको भी वैसा ही करना होगा। आपको न सिर्फ़ आने वाले अतिथियों के साथ अच्छी तरह से बर्ताव करना होगा, बल्कि आपको अपने घर और आस-पास मौजूद लोगों के साथ भी शिष्टाचार से पेश आना होगा।

पहले ही कराना होगा परिचित

अपरिचित लोगों के सामने जाने पर बच्चे का शर्माना या परेशान होना सामान्य बात है। ऐसे में ज़रूरी है बच्चे को उन अनजान चेहरों से परिचित कराना। यानी जो मेहमान आने वाले हैं उनके मज़ेदार क़िस्से बता सकते हैं, उनकी फोटो दिखा सकते हैं। जब भी किसी रिश्तेदार से बात करें तो बच्चे को भी उनसे रूबरू कराएं। इससे मेहमान बच्चे के लिए अपरिचित नहीं रहेंगे, जिससे वह उनके साथ आसानी से मेलजोल बढ़ा पाएगा।

प्रश्नों के प्रति सहज बनाएं

कोई भी रिश्तेदार या मेहमान जब भी घर आते हैं तो बच्चे के सामने प्रश्नों का एक टोकरा उड़ेल देते हैं। अगर बच्चा एक प्रश्न का जवाब देता है तो उसके सामने चार नए सवाल रख देते हैं। प्रश्नों के ऐसे हमले से बच्चा परेशानी या घबराहट महसूस कर सकता है। कुछ मामलों में वह असहज होकर या शर्मा कर वहां से जा सकता है। हालांकि हम मेहमानों को ये प्रश्न करने से रोक तो नहीं सकते पर बच्चे को इन प्रश्नों के लिए तैयार ज़रूर कर सकते हैं। इसके लिए उसके किसी खिलौने को या आप स्वयं मेहमान बनकर उसके साथ खेल-खेल में उन प्रश्नों का अभ्यास कराएं जो मेहमान अक्सर पूछते हैं। जैसे, अब आप कितने साल के हैं? क्या आप स्कूल जाते हैं? आदि।

प्रयासों की करें प्रशंसा

प्रशंसा किसी भी कार्य में सहभागिता बढ़ाने का काम करती है। मेहमानों की उपस्थिति और उनकी ग़ैरमौजूदगी में भी अपने बच्चे के प्रयासों को स्वीकार करें और प्रशंसा करें, चाहे वह कितना भी छोटा क्यों न हो। जैसे- अगर उसने नमस्ते किया या मेहमान को पानी दिया तो कहें कि वाह, कितना प्यारा बच्चा है,पानी लेकर आया है। इससे बच्चा दोबारा ऐसा करने के लिए उत्साहित होगा। बच्चा सीख जाए, तो प्रशंसा बंद कर दें। अभिवादन व मेहमाननवाज़ी आदत होनी चाहिए, प्रशंसा पाने का आधार नहीं बनने दें।

शिष्टाचार अहम है

जो भी मेहमान घर पर आते हैं, उनके साथ बच्चे का संवाद भी अहम होता है। इसका मतलब है कि अगर बच्चे ने मेहमान का स्वागत किया है, तो उनके साथ शिष्टाचार से पेश आना है। तुरंत यह प्रश्न नहीं पूछने हैं, कि आप कौन हैं, आपका नाम क्या है आदि। कई बच्चे यह पुकारते हुए 'पापा, कोई आया है' घर के अंदर भाग जाते हैं। यह शिष्टाचार के विरुद्ध है। 'आपको किनसे मिलना है, पापा को क्या कहूं' ऐसे सवाल पूछना बच्चे को सिखाएं। साथ ही उसे बताएं कि घर के भीतर आकर मम्मी-पापा को बताए कि कौन आया है और उन्होंने अपने बारे में क्या बताया है। खेल-खेल में भी बच्चे को सिखा सकते हैं। इससे धीरे-धीरे बच्चे की आदत बन जाएगी।

वाजिब उम्मीदों के साथ धैर्य भी रखें

बच्चे गीली मिट्टी की तरह होते हैं इसलिए उन्हें सामाजिक तौर-तरीक़े सीखने, समझने और उनमें ढलने में समय लगना लाज़मी है। ऐसे में त्वरित बदलाव या बड़ा बदलाव लाने की उम्मीद करना सही नहीं है। बच्चा यदि मेहमानों से छिपता है, तो इसके बारे में अधिक चिंता न करें। यदि आप उसे कुछ समय देंगे, तो वह संभवत: नए चेहरों के साथ सामान्य रूप से पेश आने लगेगा। धैर्य रखें और उसकी भावनाएं समझने की कोशिश करें।

घर के काम में अगर चाहिए बच्चों का साथ तो करनी होगी खेल और काम की ये जुगलबंदी

घर के कामों को खेल बना देंगे तो बच्चों को ये काम सीखने में भी मज़ा आएगा और इन कामों को ज़िम्मेदारी से पूरा करने में भी।

खाना बनाना हो, सफ़ाई करना या फिर घर के बाक़ी काम-काज ये जीवन कौशल हैं और हर किसी को सीखने ही चाहिए। इसलिए अपने बच्चे को ये गुण बचपन से ही सिखाएं। ये कौशल उनके शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में भी अहम भूमिका निभाएंगे। पर इन कामों को सीधे तौर पर बच्चों को नहीं सिखाया जा सकता इसलिए आप खेलों की मदद ले सकती हैं। इससे न सिर्फ़ बच्चे काम को मस्ती में सीखेंगे बल्कि आपके साथ उनका रिश्ता भी बेहतर होगा। हालांकि ये ध्यान रखें कि इन कामों को बच्चे बोझ ना समझें।

संगीत की धुन पर थिरकेगा सामान

अगर आप चाहती हैं कि बच्चा घर की सफ़ाई में आपका हाथ बंटाए तो इसके लिए आप संगीत की मदद ले सकती हैं।

इसके लिए कुछ ऊर्जा से भरे संगीत चालू करें और अपने बच्चे को संगीत बंद होने से पहले इधर-उधर बिखरा सामान या खिलौने उठाने को कहें। जब संगीत बंद हो तो उसे मूर्ति की तरह स्थिर खड़ा रहने को कहें। इसके बाद फिर से संगीत चालू करें और उसे अपना टास्क पूरा करने का मौक़ा दें। ऐसा करने से न सिर्फ़ बच्चे की काम में भागीदारी बढ़ेगी, बल्कि वह फुर्तीला भी रहेगा।

पासे के खेल से बंटेगा सबमें काम

बच्चा घर के काम में तभी दिलचस्पी लेगा जब परिवार के अन्य सदस्य उसके साथ जुड़ेंगे। इसलिए इस खेल में परिवार के कुछ और लोगों को भी शामिल करें। सबसे पहले सफ़ाई के कामों की एक लिस्ट बनाएं और हर काम को एक नंबर दे दें। अब प्रत्येक सदस्य पासा फेंकेगा और जो भी नंबर आएगा उसे वह काम करना होगा। इससे बच्चों में ज़िम्मेदारी की भावना बढ़ेगी। हालांकि कामों का चुनाव ऐसा रखें कि बच्चे भी आसानी से कर पाएं, जैसे- खिलौने उठाना, कपड़े सुखाना या तह करना, फर्नीचर पोंछना आदि।

खिलौने करेंगे लोरी सुनकर आराम

खिलौने सही जगह रखने के इस बोरिंग काम को बच्चों के लिए इस खेल से मज़ेदार बनाया जा सकता है। सबसे पहले बच्चे से कहें कि उनकी तरह खेलने के बाद खिलौनों को भी आराम करना होता है। इसलिए लोरी सुनाते हुए सुलाने के लिए टोकरी, कैबिनेट या दराज़ में सही तरह से रखें। शुरुआत में इस खेल में आपको भी शामिल होना होगा, पर बाद में धीरे-धीरे बच्चा ख़ुद खिलौनों को जगह पर रखना शुरू कर देगा।

टाइमर लगाकर सेट करेंगे सामान

बच्चों की उम्र के आधार पर, एक निश्चित समय के लिए टाइमर सेट करें। और उन्हें घर के छोटे-मोटे कामों जैसे जूतों को जगह पर रखना, मोजों की जोड़ी बनाकर रखना, अपने स्कूल की चीज़ों को सही जगह पर रखना इत्यादि को समयावधि में करने को कहें। वैसे इस खेल में अगर आप भी बच्चे के साथ प्रतियोगिता करेंगी तो उसे ज़्यादा मज़ा आएगा। और ऐसा अगर आप कुछ दिन नियमित तौर पर अपने बच्चे के साथ करेंगी तो कुछ दिनों में बच्चे में चीज़ों को व्यवस्थित ढंग से रखने की आदत पड़ जाएगी।

गर्भावस्था में की गई ये गलतियां डाल सकती हैं, मां और बच्चे की सेहत पर असर

गर्भावस्था के समय और उसके बाद काफ़ी समय तक मां के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है शिशु की सेहत। कुछ ऐसी ग़लतियों के बारे में जानिए जिनका असर मां-बच्चे दोनों की सेहत पर पड़ सकता है।

गर्भधारण से लेकर नौवें महीने तक, मां को कई तरह के टेस्ट और उपचारों से गुज़रना होता है। उसका आहार, जीवनशैली और आवश्यक टीकाकरण, ये सब चिकित्सक द्वारा तय होता है। चूंकि ये सब चिकित्सक की देखरेख में होता है इसलिए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या ग़लतियों की गुंजाइश नहीं होती। समस्या तब आती है जब छोटी-छोटी सावधानियों पर ध्यान नहीं दिया जाता। मां द्वारा की गई ग़लतियों का असर ना केवल उसके स्वास्थ्य पर पड़ता है, अपितु बच्चे को भी नुक़सान पहुंचता है। विशेषज्ञ चिकित्सक गर्भावस्था के दौरान और उसके बाद की जाने वाली इन्हीं ग़लतियों के बारे में बता रही हैं। कोई भी व्यायाम या स्ट्रेचिंग गर्भावस्था के शुरुआती 3 महीनों तक नहीं करनी चाहिए। शुरुआती 3 महीनों में शारीरिक गतिविधियां ना करें और कोई भारी वस्तु ना उठाएं। गर्भावस्था के 5 महीने के बाद थोड़ा टहलना चाहिए। धीरे-धीरे 30 या 40 मिनट तक टहल सकती हैं। टहलते समय इस बात का ध्यान रखें कि गति सामान्य हो। परंतु कोई भी ऐसी गतिविधि ना करें जिसमें गिरने का जोखिम हो या ज़्यादा मेहनत लगती हो। एक्सरसाइज़ हमेशा किसी की मौजूदगी में ही करें, अकेले ना करें। प्रसव के समय

होने वाले दर्द को कम करने के लिए भी थोड़ी-बहुत स्ट्रेचिंग कर सकती हैं। बस ध्यान रखें कि स्ट्रेचिंग के दौरान शरीर पर धीरे-धीरे दबाव बनाएं, ज़बरदस्ती ना करें। कोई भी व्यायाम करने से पहले स्त्रीरोग विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर लें। शिशु को जन्म देने के बाद कई महिलाओं का वज़न बढ़ जाता है। जन्म देने के 6 महीने बाद आप वज़न नियंत्रित करने के लिए व्यायाम शुरू कर सकती हैं। वज़न नियंत्रित करने के लिए कई महिलाएं खाना कम कर देती हैं। वे यह भूल जाती हैं कि उनका नवजात शिशु भी है और यदि वह दुग्धपान कर रहा है तो खाना छोड़ने पर आपके पास ऊर्जा कम होगी जिससे बच्चे को सही मात्रा में दूध प्राप्त नहीं होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने क्षेत्र के विकास का किया दावा

एमसीबी। आदिवासियों की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को पहला आदिवासी राष्ट्रपति दिया है। आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू। छत्तीसगढ़ को भी आदिवासी मुख्यमंत्री दिया है। ऐसे प्रधानमंत्री को चुनने का समय फिर से आ गया है। कोरबा लोकसभा क्षेत्र के सांय सांय विकास कराने के लिए आने वाली 7 तारीख को आप सबको कमल फूल छाप पर बटन दबाना है और सरोज पांडेय को जिताना है।

उक्त बातें प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की पहली विधानसभा भरतपुर सोनहत के जनकपुर में आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा की प्रदेश में सांय सांय गति से विकास हो रहा है। इस विकास की गति को ऐसे ही सांय सांय गति से बरकरार रखने के लिये देश और प्रदेश में कमल का फूल फिर से खिलाने की जरूरत है। क्षेत्र की विधायक व पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने चुनरी ओढ़ाकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, कोरबा लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय व मंचस्थ नेताओ का स्वागत किया। इस दौरान महामाला से युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह, कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय का स्वागत किया।

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और क्षेत्रीय विधायक रेणुका सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कहा की चांग देवी की पावन धरा पर मैं सबका स्वागत करती हूं। कोरबा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हमारी बहन सरोज पांडेय जो किसी परिचय की मोहताज नही है। सरोज का मतलब ही कमल है। जब सरोज स्वयं में कमल है तो उसे सांसद बनने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि सरोज पांडेय को सांसद का प्रमाण पत्र यहां की जनता दिलाकर दिल्ली भेजेगी। रेणुका सिंह ने कहा कि मैं भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की जनता को नमन करती हूं कि विधानसभा चुनाव के समय न ही मेरा चेहरा अच्छे से देखा और न ही मेरी आवाज सुनी फिर भी मेरे नाम पर विश्वास जताते हुए मुझे मौका दिया। इसके लिये मैं इस क्षेत्र की जनता की सदैव आभारी रहूंगी। रेणुका सिंह ने कहा कि विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ विकसित विधानसभा में भरतपुर सोनहत को लाना है। विधायक रेणुका सिंह ने भरतपुर सोनहत विधानसभा से पूरे कोरबा लोकसभा में सबसे ज्यादा मतों से लीड दिलवाने का आव्हान किया। मंच पर मौजूद कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय ने वर्तमान कोरबा सांसद ज्योत्सना महंत के कार्यकाल की खामियां गिनाते हुए अपने पक्ष में जनता से जनसमर्थन की अपील की।

डबल इंजन की सरकार बनेगी तो चलेगी रेल, चांगभखार बनेगा जिला : रेणुका

फिर दोहराया जिला व ट्रैन का वायदा

विधायक रेणुका सिंह ने विधानसभा चुनाव के दौरान किया हुआ वायदा फिर दोहराया। उन्होंने मंच से कहा कि मैंने विधानसभा चुनाव के दौरान भरतपुर सोनहत विधानसभा क्षेत्र की जनता से जो वायदा किया है उसे मैं निभाने के लिए प्रतिबद्ध हु। रेणुका सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में रेल चलाने और चांगभखार को जिला बनाने के लिये देश और प्रदेश में डबल इंजन सरकार बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा की आने वाली 7 तारीख को कमल छाप पर बटन दबाकर सरोज पांडेय को सांसद बनाना है ताकि यहाँ डबल इंजन की सरकार बने और क्षेत्र में ट्रेन चले और चांगभखार जिला बने।

विष्णु ने बजाया मांदर तो थिरकी रेणुका

भरतपुर सोनहत विधायक रेणुका सिंह ने प्रदेश के मुख्यमंत्री बिष्णुदेव साय को जब मंच पर मांदर भेंट किया तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खुद को मांदर बजाने से नहीं रोक सके। जब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मांदर बजा रहे थे तो इस दौरान विधायक रेणुका सिंह भी मांदर की थाप पर थिरकती नजर आई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, विधायक धरमलाल कौशिक, विधायक भैयालाल राजवाड़े, विधायक उद्देशवरी पैकरा, पूर्व विधायक चंपादेवी पावले, सांवला राम डहरे, जनपद अध्यक्ष राजकुमारी बैगा, उपाध्यक्ष दुर्गाशंकर मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य रविशंकर सिंह, दृगपाल सिंह, चंद्रप्रताप सिंह बालन्द, कमलेश गुप्ता, बेडोमल बालानी, रूपा जायसवाल, मन्ती सिंह, हीरालाल मौर्य, नरेश यादव, मनी पांडेय, नीलेश मिश्रा, निशान्त गुप्ता, रामलखन सिंह मौजूद रहे।

एनएच 43 पर एक्सीडेंट में बढ़ोतरी पर नाराजगी, दिया ज्ञापन

कोरिया। राष्ट्रीय राजमार्ग 43 स्थित खरवत चौक में आये दिन सड़क दुर्घटनाएं होते रहती हैं.हाल के दिनों में ऐसी दुर्घटनाओं में ईजाफा हुआ है और साथ ही इनमें मरने वालों की संख्या भी बढ़ी है। तेज रफ्तार वाहनों के चपेट में आकर असमय मृत्यु प्राप्त लोगों के परिवारजनों का जीवन अंधकारमय हो रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए ओबीसी महासभा जिला कोरिया ने कलेक्टर के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आवागमन के लिए यातायात विभाग की 24 घंटे ड्यूटी की मांग की। मांग को कलेक्टर ने जायज ठहराते हुए यथाशीघ्र दो यातायात कर्मचारी तैनात करने की बात कही। ज्ञापन के समय जिलाध्यक्ष राजेश साहू,प्रदेश सचिव कृष्णा प्रजापति,जिला महासचिव ईश्वर दयाल राजवाड़े, संजू पड़वार, प्रेमचंद राजवाड़े आदि उपस्थित रहे।

फर्जी जन्म प्रमाण बनाने का राजफाश कंप्यूटर दुकान संचालक जेल गया

बलरामपुर। जिले की बसंतपुर पुलिस ने फर्जी जन्म- मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने का राजफाश किया है। मामले में एक कंप्यूटर दुकान संचालक को गिरफ्तार कर उसके पास से चार-पांच फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बरामद किए गए हैं। आरोपित द्वारा अभी तक लगभग 300 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बना दिए जाने की स्वीकारोक्ति भी कर ली गई है। ये सारे प्रमाण पत्र वास्तविक डिजिटल हस्ताक्षर व सील से बनाए गए थे। मामले में पुलिस ने आरोपित को न्यायालय के निर्देश पर जेल भेज दिया है। अभी प्रकरण की जांच चल रही है। जांच में कुछ और लोगों की भूमिका भी सामने आने की संभावना हैं। बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से फर्जी जन्म मृत्यु, प्रमाण पत्र बनाए जाने की शिकायतें सामने आ रही थी लेकिन तथ्यात्मक दस्तावेज सामने नहीं आ पाने के कारण स्वास्थ्य और पुलिस विभाग जांच व कार्रवाई नहीं कर पा रहा था। इस बीच वाड्रफनगर के विकासखंड चिकित्सा अधिकारी के पास एक जन्म प्रमाण पत्र जांच के लिए पहुंचा।प्रथम दृष्टया जन्म प्रमाण पत्र के फर्जी होने की आशंका हुई।जब विभागीय दस्तावेजों से इसका मिलान किया गया तो पता चला कि उक्त नाम का कोई प्रकरण आया ही नहीं था। इस पर बीएमओ ने वस्तु स्थिति से पुलिस को अवगत कराया बसंतपुर थाना प्रभारी कुमार चंदन सिंह ने शिकायत की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू की जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने वाड्रफनगर स्थित सत्यम कुमार प्रजापति के कंप्यूटर दुकान से जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की जानकारी दी। इस आधार पर पुलिस ने सत्यम कुमार प्रजापति को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह डिजिटल सिग्नेचर और सील के माध्यम से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाया करता था। आरोपित ने अब तक बनाए गए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र की सूची भी पुलिस को सौंप दी हैं।पुलिस ने कुछ फर्जी जन्म प्रमाण पत्र तथा कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जप्त किए हैं। आरोपित को धारा 420,467,468,471 के तहत कार्रवाई कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

एमपी से साझा करती जिले की सीमा पर चेकपोस्ट, एसपी ने लिया जायजा

कोरिया। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिले में सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी चेकिंग हेतु बॉर्डर चेक पोस्ट सहित सीमावर्ती सरहदी क्षेत्रो में कोरिया पुलिस द्वारा चेक पोस्ट की व्यवस्था कुल 7 जगहों पर की गई है।

इसी क्रम में 11 अप्रैल को पुलिस अधीक्षक कोरिया सूरज सिंह परिहार द्वारा बॉर्डर चेक पोस्ट सहित नाकाबंदी की व्यवस्था का आकलन करने एवं सुरक्षा व्यवस्था मे तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों की सतर्कता जाँचने स्वयं मौके पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया गया। पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा गोयनी बॉर्डर चेक पोस्ट का औचक निरिक्षण किया गया है। निरीक्षण में अधिकारियों व कर्मचारियों से आदर्श आचार संहिता के दौरान सुरक्षा जांच मे बरते जाने वाली आवश्यक सावधानियों सहित चेक पोस्ट में सुरक्षा जांच के दौरान अन्य प्रांतों एवं जिलों से आने वाले वाहनों का नंबर, वाहन चालक का नाम एवं पहचान दर्ज करने के निर्देश दिए गए है। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले किसी भी प्रकार के संदिग्ध गतिविधियों को रोकने सख्त निर्देश दिए गए है। इसके अतिरिक्त दीगर क्षेत्रो से जिले में प्रवेश करने वाले वाहनो की चेकिंग के दौरान फोटोग्राफ़ी एवं वीडियोग्राफ़ी करने के हिदायत दी गई है। पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा चेक पोस्ट ड्यूटी मे तैनात अधिकारियों / कर्मचारियों को सतर्क रहकर सुरक्षा जांच करने के दिशा-निर्देश दिए गए है। औचक निरिक्षण में स्पष्ट हिदायत दी गई है कि किसी प्रकार की लापरवाही नही बरती जाए एवं किसी प्रकार की वसूली की शिकायत नहीं आनी चाहिए। चेक पोस्ट मे तैनात अधिकारियो/ कर्मचारियों को आमनागरिकों से शालीनता पूर्वक व्यवहार करने को भी कहा गया है। चेक पोस्ट में आधारभूत व्यवस्थाए उपलब्ध कराने हेतु सबंधित एसडीओपी एवं थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया है कि संबंधित तहसीलदार और ष्टह्न जनपद से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे पानी बिजली टेंट बिस्तर लाइट इत्यादि नाकों को उपलब्ध कराएं। ऋह्व को भी पर्याप्त स्टॉपर, ड्रम, स्टॉप गेट, जिगजैग सर्च लाइट , वाकी टाकी उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया है। औचक निरिक्षण के दौरान चेक पोस्ट में तैनात स.उ.नि. प्रभाकर नाथ साहू, आ. अर्जुन टोप्पो, आ. हेमंत कुमार एवं आ. लाजर सभी अपने कर्तव्य पर उपस्थित मिले। सुरक्षा जांच मे निरंतरता बनाये रखते हुए आगामी लोकसभा चुनावों मे शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष वातावरण प्रदान करने हेतु कोरिया पुलिस प्रतिबद्ध हैं। कोरिया पुलिस आमनागरिकों से अपील करती हैं कि सुरक्षा व्यवस्था बनाये रखने में सहयोग देवे एवं नियमो का पालन करें।

24 हजार की अवैध शराब के साथ पकड़े गये 3 आरोपी

सूरजपुर। उप पुलिस महानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे (भा.पु.से.) के द्वारा अवैध नशीली वस्तु गांजा शराब, नशीली दवाई एवं नशे के अन्य वस्तुओं के धंधे में लिप्त लोगों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर जिले में सुरक्षा व्यवस्था एवं प्रभावी चेकिंग करने पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया है साथ ही बॉर्डर चेक पोस्ट सहित अंतर्राज्जीय सीमा में पुलिस व प्रशासन की एसएसटी टीम का 24 घंटे कड़ा पहरा लगा हुआ है और यहां से गुजरने वाली प्रत्येक वाहनों का बारीकी से चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 11.04.2024 के रात्रि में अंतर्राज्जीय बैरियर नवाटोला में आने-जाने वाले वाहनों की सघन तलाशी ली जा रही है उसी दौरान मारूती ओमनी कार क्रमांक यूपी 64 एम 9356 वहां पहुंचा जिसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार से अवैध 198 नग गोवा अंग्रेजी शराब एवं 22 नग बियर केन कुल कीमत 24420 रूपये का पाया गया। मामले में धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही कर शराब व परिवहन में प्रयुक्त कार जप्त कर आरोपी प्रदीप जायसवाल पिता जगधारी उम्र 28 वर्ष, पार्वती जायसवाल पति प्रदीप जायसवाल उम्र 25 वर्ष दोनों निवासी ग्राम भाउखाड़, थाना माड़ा, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश व जसिंता गुर्जर पिता ईतलेश गुर्जर उम्र 30 वर्ष ग्राम बेदमी, थाना रमकोला को गिरफ्तार किया गया। कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो व एसडीओपी ओड़गी राजेश जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चांदनी मनोज सिंह, एएसआई सुप्रियन टोप्पो, गुड्डु कुशवाहा, आरक्षक रविराज पाण्डेय, रूप प्रसाद राजवाड़े, महिला आरक्षक सुमन सिंह सहित एसएसटी टीम व अन्य अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।

कोरिया जिले में सरोज ने किया संवाद

कोरिया/बैकुंठपुर। कोरबा लोकसभा की भाजपा उम्मीदवार सरोज पांडेय अपने दौरा कार्यक्रम के तहत बैकुंठपुर विधानसभा के कई ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंची,जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया, सरोज पांडेय ने जगह जगह नुक्कड़ सभाओं में उपस्थित मतदाताओं को भी संबोधित किया और केंद्र की मोदी सरकार की योजना गिनाकर एक बार फिर नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया।

भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय शुक्रवार को अपने एक दिवसीय दौरे में बैकुंठपुर पहुंची थी जहां उन्होंने सर्वप्रथम भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में भाग लिया यहां उन्होंने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कोरिया का विकास करने का वायदा किया साथ ही कांग्रेस प्रत्याशी और वर्तमान सांसद ज्योत्सना महंत पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। प्रेस वार्ता पश्चात सरोज पांडेय बैकुंठपुर विधानसभा के कंचनपुर, आमापारा, झरनापारा, कुडेली, सरभोका, कसरा, भांड़ी, अंगा, पूटा,कटकोना, बरदिया, कटोरा एवं चिरगुड़ा आदि स्थानों का दौरा किया। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी ने हर जगह नुक्कड़ सभा में भी हिस्सा लिया और उपस्थित जन समुदाय को संबोधित किया। सरोज पांडेय ने कहा कि आज केंद्र की मोदी सरकार के कार्यकाल में आम जन को हर क्षेत्र में योजनाओं का लाभ मिला है,देश में उत्साह का वातावरण देखने को मिलता है,देश में अंधकार का माहोल समाप्त हुआ है, युवाओं को,महिलाओ को आत्म निर्भर बनाया गया है। जनता के बीच बराबर संपर्क साधकर बीच बैठकर विकास को गति दी जाएगी,शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार की बात भी उन्होंने कही। सरोज पांडेय ने कोरबा लोकसभा में भाजपा को जिताने का आह्वान किया और विकास का वादा किया। दौरे में विधायक भैयालाल राजवाड़े, जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,लक्ष्मण राजवाड़े, शैलेष शिवहरे, विनोद साहू, पंकज गुप्ता,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष धर्मवती राजवाड़े, जिला पंचायत सदस्य वंदना राजवाड़े, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, भाजयुमो जिलाध्यक्ष हितेश सिंह, समेत बड़ी संख्या में भाजपा भाजयुमो, महिला मोर्चा समेत जिला और मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक टन अवैध कोयला जब्त किया पुलिस ने

कोरिया बैकुंठपुर। ग्राम सारथपारा, चम्पाझर थाना पटना में अवैध कोयला तस्करी की कोशिश की जा रही है। उक्त सूचना से पुलिस अधीक्षक कोरिया को अवगत कराया गया, जिस पर पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरिया के मार्गदर्शन में कोरिया पुलिस की टीम को ग्राम सारथपारा चम्पाझर घटना स्थल हेतु रवाना किया गया।

उक्त सूचना के बताये स्थान पर पुलिस की टीम पहुंची जहां पिकप में कोयले से लोड वाहन को पकड़ा गया। वहां के चालक से पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद कुमार पिता सहदेव राम अगरिया उम्र 30 वर्ष थाना पटना बताया। जिसके पास से *पिकप में लोड 01 टन कोयला एवं साथ ही पिकप गाड़ी* को जप्त कर उक्त आरोपी के विरुद्ध ष्टह्लक्क की धारा 41(1)(4) एवं धारा 379 भा.द.वि. के तहत वैधानिक कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया है। पेट्रोलिंग और पतासाजी दौरान थाना पटना के ग्राम टेंगनी में तस्करी करने के लिए खेत के पास 01 टन कोयला लावारिस हालत में पड़े होने की सूचना भी प्राप्त हुई। उक्त सूचना के आधार पर कोरिया पुलिस की टीम मौके पर पहुंची जहां लावारिस हालत में पड़ा कोयला जिसका वजन करीब 01 टन (100 किलो) रहा। पुलिस की टीम द्वारा उक्त लावारिस हालत में रखे कोयले को धारा 102 सीआरपीसी के तहत स्वतंत्र गवाहों के समक्ष कार्यवाही कर घटना स्थल से बरामद किया गया है एवं कोयला तस्करों की निरंतर पतासाजी की जा रही है। उक्त दोनों प्रकरणों में कुल 02 टन कोयला की कीमत 20,000/- रुपए एवं 01 नग पिकप कीमत 1,00,000/- कुल मशरुका 1,20,000/- रूपये जप्त किया गया है। गौरतलब है कि इससे पहले भी इसी माह मार्च में इसी प्रकार दो अलग-अलग प्रकरणों में कुल 87 बोरियो में कोरिया पुलिस द्वारा लावारिस कोयला बरामद किया गया था। इसके अतिरिक्त कोयला तस्करी के 03 प्रकरणों में 04 आरोपियों के को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्यवाही किया गया है।

कोरिया पुलिस अवैध गतिविधियों के नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है।

आगजनी में तीन भाई-बहन मृत, घटना से इलाके में सन्नाटा

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के मैनपाट में कच्चे मकान में आग से तीन भाई-बहन जिंदा जल गए। तीनों विशेष संरक्षित माझी जनजाति के थे। कच्चे का एक कमरे का मकान भी जलकर खाक हो गया। घटना के समय मृतकों की मां कमरे में नहीं थी। पिता कामकाज के सिलसिले में कुछ दिनों से बाहर गए हुए हैं। घटना को लेकर अभी कई जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर जांच में जुटे हुए हैं।

मैनपाट के बरिमा पकरीपारा में देवप्रसाद माझी का कच्चा मकान है। पिछले कई दिनों से वह काम के सिलसिले में बाहर गया है। शनिवार की रात उसकी पत्नी सुधनी बाई तीन मासूम बच्चों गुलाबी (8), सुषमा (6), रामप्रसाद (4) को घर में छोडकर नजदीक में रहने वाले रिश्तेदार के यहां गई हुई थी घर के दरवाजे को उसने बाहर से बंद कर दिया था। जब वह वापस लौटी तो देखा कि घर धू धू कर जल रहा था। घटना की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में गांव के लोग भी मौके पर जमा हो गए लेकिन आग बुझाने का कोई भी उपाय काम नहीं आया। स्थानीय स्तर पर संसाधनों की कमी भी बाधा बनी।

देखते ही देखते आग की लपटे तेज हो गई।घर के अंदर पुआल का ढेर भी था। इस कारण भी आग तेजी से फैली। तीनों बच्चे की जलने से मौत हो गई। राख के ढेर में उनका जला हुआ शव एक दूसरे से लिपटे अवस्था में मिला। आग कैसे लगी, इसका पता नहीं चल सका है। अभी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी जांच में लगे है। बच्चों की मां कुछ भी बता पाने की स्थिति में नहीं हैं। मैनपाट में निवासरत विशेष संरक्षित जनजाति माझी समुदाय के ज्यादातर परिवार आर्थिक अभावों के बीच जीवन-यापन कर रहे हैं। दूसरों के यहां मेहनत मजदूरी कर ज्यादातर परिवारों का भरण - पोषण होता हैं। मृत बच्चों का पिता एक सप्ताह से पुणे में रोजगार के लिए गया है। एक बड़े कमरे वाले उसके कच्चे मकान का छप्पर ,प्लास्टिक-घांस फूस और पुआल का उपयोग कर बनाया गया था इसलिए आग तेजी से फैली। छप्पर का हिस्सा तेजी से जला। माझी परिवार के लोगों द्वारा पुआल का उपयोग ठंड से बचने बिस्तर के रूप में भी किया जाता है। कमरे में भी पुआल का ढेर था इसलिए आग ने भयावह रूप ले लिया था। घर के दरवाजे की कुंडी भी बाहर से लगी हुई थी।घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा है। जिस किसी ने भी बच्चों के शवों को देखा उनका दिल पसीज गया। विशेष संरक्षित माझी जनजाति के एक ही परिवार के तीन बच्चों की जलकर हुई मौत का यह मामला संदिग्ध हैं। इस घटना में मृतकों की मां से पूछताछ कर पुलिस जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। बच्चों की मां का कहना है कि वह तीनों बच्चों को सुलाकर थोड़ी दूर में रहने वाले रिश्तेदार के यहां गई थी। उसने बाहर से घर की कुंडी भी लगा दी थी। महिला के घर के बगल में ही देवर का भी घर है। उसके यहां महिला की 11 वर्ष की बड़ी बेटी सो रही थी। महिला के घर में नहीं होने की जानकारी उन लोगों को भी नहीं थी। सबसे बड़ी बात है कि जिस घर में आग लगी उसके चंद हाथ की दूरी पर ही महिला के देवर का भी घर है लेकिन उन्हें भी आग लगने का आभास नहीं हुआ। महिला का कहना है कि मध्यरात्रि जब वह वापस लौटी तो घर धू - धू कर जल रहा था। महिला जिस रिश्तेदार के घर जाना बता रही है,उस परिवार के सदस्यों को पुलिस ने घटनास्थल पर बुलाया है। उनसे पूछताछ में भी कुछ जानकारी सामने आएगी। यह मामला संदेहास्पद है। मृत बच्चों की मां व बगल में ही रहने वाले नजदीकी रिश्तेदारों की भूमिका पर संदेह है। पुलिस उन सभी से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

हादसे में 4 की मौत, बालको क्षेत्र में जाम

कोरबा। दो दिन के भीतर सड़क दुर्घटना में एक आटो चालक सहित चार लोगों की दर्दनाक मौत और कुछ लोगों के घायल होने से नाराज लोगों ने बालकोनगर क्षेत्र में मुख्य मार्ग को बाधित कर दिया। चक्काजाम आज भी जारी है, लोग मांग कर रहे हैं कि इस रास्ते से भारी वाहनों का आवागमन बंद किया जाये। मामले को देखते हुए प्रशासन और पुलिस के अधिकारी यहां पहुंचे।

हालिया घटनाक्रम में बालकोनगर मेनरोड पर सवारी आटो को एक भारी वाहन ने टक्कर मार दी। इस घटना में आटो चालक मनोज लहरे की मौत हो गयी। आटो में सवार 5 से अधिक लोग घायल हो गये। बताया गया कि भारी वाहन की टक्कर से आटो सड़क पर पलट गया था। गंभीर चोट के कारण चालक को बचाया नहीं जा सका। घायलों को कोरबा के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया जहां उपचार जारी है। इससे एक दिन पहले इसी क्षेत्र में हुई दुर्घटना में बाईक सवार तीन युवकों की जान चली गई। कहा गया कि वे भारी वाहन से भिड़े थे। घटनाक्रम से आस-पास के लोग नाराज हो गये। उन्होंने माना की इस प्रकार के मामले भारी वाहनों की वजह से हो रहे हैं। उनके द्वारा वाहनों को बंद करने की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया। यह आज दूसरे दिन भी जारी है। मार्ग पर चक्काजाम होने के कारण दोनों दिशाओं में सैकड़ों की संख्या में वाहन थमे हुए है। उन्हें गंतव्य को जाने का रास्ता नहीं मिल रहा है। इसके साथ ही संबंधित क्षेत्र में सामान्य आवाजाही भी इस वजह से बाधित है।

भारी वाहनों का संचालन बंद करने की मांग तेज

रिंगरोड के विकल्प के बावजूद शहर के भीतर से दौड़ रहे भारी, समस्या उत्पन्न

कोरबा। अर्से की राहत के बाद एक बार फिर शहर के भीतर से कोयला और अन्य भारी वाहनों का परिचालन शुरू हो गया है। यह सब तब हो रहा जब क्षेत्र में रिंगरोड का विकल्प है। नई व्यवस्था प्रारंभ होने से मुख्य मार्ग पर परेशानी उत्पन्न हो रही है और हादसे की आशंका को मजबूती मिली है।

लंबे समय तक डीएसपीएम चौराहा, कुआंभट्ठा, मुड़ापार, रेलवे कालोनी होते हुए भारी वाहन चलाये जा रहे थे। इससे कई प्रकार की परेशानियां सामने आयी। दोनों तरफ रेल फाटकों की उपस्थिति होने और इनके बार-बार होने से पूरे रास्ते में भारी वाहनों की रेलमपेल होने के कारण आवाजाही बाधित होती रही। ऐसे में एम्बुलेंस के साथ-साथ स्कूल वाहन और जन सामान्य को परेशान होना पड़ा। लगातार ऐसे मामले सामने आने के बाद इस रोड से भारी वाहनों के संचालन को रोक दिया गया था। लेकिन अब नवरात्र का हवाला देते हुए प्रशासन ने मुड़ापार, अमरैया रोड से भारी वाहनों को अनुमति दी है। इससे क्षेत्र की हजारों की आबादी मुश्किल में है।

ग्राहक के आने से पहले गांजा तस्कर

कोरबा। बालको नगर पुलिस ने एक गांजा तस्कर को ध्यानचंद चौराहा रूमगरा से पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि तस्कर अनिष मोहम्मद रूमगरा क्षेत्र का ही रहने वाला है, जो अपने पास 1.150 किलो गांजा रखा हुआ था। लंबे समय से वह इस कारोबार में संलिप्त था और अपनी जड़ों को मजबूत कर रहा था। उसने गांजा की खपत करने के लिए नेटवर्क तैयार किया था और ग्राहक का इंतजार कर रहा था। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि प्लास्टिक की थैली से गांजा जप्त किया गया है। उससे हुई पूछताछ में कई चीजें सामने आयी है और इस आधार पर पुलिस आगे की जांच कर रही है।

शराब के नशे में मां से मारपीट करने वाला कलयुगी पुत्र भेजा गया जिला जेल

कोरबा। शराब पीने के बाद हर दिन मां से मारपीट करने वाले कलयुगी पुत्र को सीएसईबी चौकी पुलिस ने कोरबा सिटी मजिस्ट्रेट न्यायालय पेश किया, जहां से उसे जिला जेल दाखिल कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार किशोर कुमार महंत उम्र 35 पिता स्व. महावीर प्रसाद महंत निवासी कोहड़िया सीएसईबी चौकी कोरबा पूर्व विगत कुछ माह से शराब पीने के बाद बीरा जाता था। यहां तक की लगातार उसके साथ मारपीट करते हुए प्रताड़ित करने लगा, जिसके कारण इसकी गतिविधियों से परिवार के लोग परेशान रहने लगे। अंतत: उक्त युवक की हरकतें कुछ ज्यादा ही बढ़ गई तो इसकी शिकायत सीएसईबी चौकी पहुंचकर प्रभारी भीमसेन यादव से उसकी मां ने किया। सुमित्रा महंत उम्र 65 वर्ष ने करते हुए न्याय दिलाने जाने की गुहार लगाई। बताया जाता है कि कलयुगी पुत्र द्वारा आये दिन प्रताड़ित करने और मारपीट किये जाने की लगातार मिल रही शिकायतों को देखते हुए जांच के उपरांत सीएसईबी चौकी पुलिस ने आरोपी को धारा-151 के तहत गिरफ्तार कर लिया, जिसे सिटी मजिस्ट्रेट के न्यायालय पेश किया गया। वहां से उसे तत्काल प्रभाव से जिला जेल दाखिल कर दिया गया।

केंदई रेंज में हाथियों की सक्रियता से ग्रामीणों को बढ़ा खतरा

कोरबा। जिले के केंदई रेंज में 39 की संख्या में हाथी तीन अलग-अलग स्थानों पर विचरण कर रहे है। जिससे ग्रामीणों को और भी खतरा बढ़ गया है। हालाकि वन विभाग द्वारा हाथियो की निगरानी मैदानी अमले के अलावा थर्मल ड्रोन कैमरे से कराई जा रही है। बावजूद इसके हाथियो के गांव तक पहुंचने तथा नुकसान पहुंचाए जाने का अंदेशा लगातार बना हुआ है। ग्रामीण बढ़ी संख्या में हाथियो के विचरण करने से भयभीत है।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र में विचरण रत 39 हाथियो में एक चेतक नामक खतरनाक व उत्पाती दँतैल भी शामिल है जो कोरबी बीट अंतर्गत मातिनदाई मंदिर व डंपिंग एरिया के आस-पास सक्रिय है। जबकि रेंज के कापा नवापारा सर्किल में 20 तथा साल्ही पहाड़ में 18 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। हालाकि हाथियों के इन दोनों दल ने तत्काल कोई उत्पात मचाया है और न ही बड़ा नुकसान किया है। फिर भी वन विभाग का अमला एतियात के तौर पर सर्तकता बरत रहा है। अमला हाथियो की हर गतिविधियों पर नजर रखने के अलावा ग्रामीणों को मुनादी कराकर सावधानी बरतने को कह रहा है। उनसे अपील की जा रही है कि अनावश्यक वें जंगल में न जाए वहीं भोर में महुआ संग्रहण से भी दूरी बनाए रखे।

चिचोली में नवविवाहिता की संदिग्ध मौत

कोरबा। 22 वर्षीय रामेश्वरी मंडावार की संदिग्ध मौत के मामले में उरगा पुलिस ने 174 सीआरपीसी के तहत मर्ग कायम किया है। कार्यपालक मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में पंचनामा और आगे की कार्रवाई कराई गयी। पुलिस ने बताया कि रामेश्वरी का शव उसके मकान में पाया गया। प्रथम दृष्टया मामले को संदिग्ध पाया गया है। उसकी मौत को लेकर संबंधितों से पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के साथ इस मामले में अगली कार्रवाई की जायेगी।

17 को शोभायात्रा

कोरबा। रामनवमीं पर्व पर 17 अप्रैल को गायत्री मंदिर सीएसईबी चौक से विश्वहिंदू परिषद सायं 4 बजे शोभायात्रा निकालेगा।

मड़वारानी मंदिर पहुंच चरणदास ने मत्था टेका

कोरबा। छत्तीसगढ़ प्रदेश के विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत कोरबा प्रवास पर रहे।

श्री महंत बर्सती नवरात्रि की पांचवे दिवस जिले में आस्था के केंद्र पहाड़ ऊपर मां मड़वारानी के मंदिर पहुंचे। जहां उन्होंने पूजा-अर्चना, आरती कर मत्था टेका। छत्तीसगढ़ की खुशहाली और लोगों की आस्था पर कोई संकट पैदा ना हो इसके लिए आशीर्वाद मांगा। मां मड़वारानी सेवा समिति झीका महोरा कलमी पेड़ की ओर से डॉ. महंत को चुनरी भेंट की गयी। डॉ. महंत सपरिवार हर नवरात्र में माँ मड़वारानी पहाड़ ऊपर पहुँच कर पुजा-अर्चना करते हैं। उनके साथ सेवा समिति के संरक्षक मनहरण राठौर, अध्यक्ष कुलदीप कंवर, सचिव रेवा राम चंद्रवंशी, कोषाध्यक्ष सहस राम कौशिक, व्यवस्थापक बजरंग राठौर, संतोष देवांगन, राजू बरेठ, लक्ष्मीकांत राठौर, संतोष कंवर बैगा, पुजारी सुरेन्द्र कंवर, रामायण कंवर आदि लोग उपस्थित रहे।

नहीं हुई कार्रवाई

कोरबा। जिले के एक अस्पताल में लापरवाही का बड़ा खुलासा हुआ है जिस तरह से मरीज का इलाज और दवाइयां दी गई उससे जानलेवा साबित हो सकता था। जिस पर कलेक्टर से शिकायत हुई,लेकिन विभागीय अधिकारियों ने जांच में लीपापोती की गई जा रही। शिकायत कर्ता कोलकर्मी विकास कुमार ढेलवाडीह निवासी ने एसईसीएल बांकीमोंगरा विभागीय अस्पताल में पदस्थ चिकित्सक व नर्स के खिलाफ कलेक्टर से शिकायत की थी।

स्वामी कौशल किशोर मिश्र की ओर से प्रकाशक, मुद्रक सुभाष अग्रवाल द्वारा आकाश आफसेट प्रिंटर्स से मुद्रित कर तिलक मार्ग, ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा से प्रकाशित, संपादक सुभाष अग्रवाल फोन: 221149, मो. : 9425224167 आर.एन.आई. पंजी. नं. 50254/89, ई-मेल tarunpresskrb@gmail.com